राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 29 मई 2025 वर्ष-8,अंक-99 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में भी पैर पसार रहा कोरोना, अब तक देश में हुई 12 मौतें

पीएम मोदी की रैली में नजदीक रहने वालों का होगा टेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में कोरोना वायरस के मामले गंभीर नहीं हैं, लेकिन अमेरिका में कोरोना ने कहर मचा दिया है। अमेरिका में हर हफ्ते 350 मौतें कोविड संक्रमण से हो रही हैं। मीडिया रिपोर्ट में अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी ने जानकारी दी है कि 350 नागरिकों की मौत पिछले एक हफ्ते में कोरोना से हुई है।

भारत में भी कोरोना वायरस के एक्टिव केसों की संख्या 1083 हो गई है। केरल में सबसे ज्यादा 430 कोरोना मरीज हैं। मंगलवार को कर्नाटक में 36, गुजरात में 17, बिहार में 5 और हरियाणा में 3 नए मामले सामने आए हैं। वहीं गुजरात में 13 मरीज रिकवर भी हुए हैं। नॉर्थ-ईस्ट में भी कोरोना के मामले सामने आने लगे हैं। अरुणाचल प्रदेश में मंगलवार को 2 महिलाएं कोरोना पॉजिटिव मिलीं। इनमें एक को बुखार और हल्की खांसी है जबकि दूसरी महिला में कोई लक्षण नहीं हैं।

यूपी के फिरोजाबाद में मंगलवार को 78 साल के कोरोना पॉजिटिव मरीज की इलाज के दौरान मौत हो गई। यह राज्य में कोविड के नए वैरिएंट से पहली मौत है। इसके अलावा, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में कुल 11 मरीजों की मौत हो चुकी है। कुल मृतक की संख्या 12 हो गई है। पीएम मोदी के 29-30 मई को बिहार दौरे के मद्देनजर राज्य का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। निर्देश दिया गया है कि पीएम मोदी के 100 मीटर के दायरे में रहने वाले सभी लोगों की कोरोना जांच की जाएगी।

जयपुर में 26 मई को कोरोना के दो मरीजों की मौत हो गई है। इनमें से एक रेलवे स्टेशन पर मृत मिला था। उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। दूसरी मौत निजी हॉस्पिटल में भर्ती 26 साल के युवक की हुई। उसे पहले से ही टीबी की बीमारी थी। वहीं, महाराष्ट्र के ठाणे में एक कोरोना पॉजिटिव महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। ठाणे में ही 25 मई को अस्पताल में इलाज करा रहे 21 साल के युवक की मौत हो गई। उसका 22 मई से इलाज चल रहा था। इससे पहले 17 मई को कर्नाटक के बेंगलुरु में 84 साल के बुजुर्ग की मौत हुई थी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया था कि बुजुर्ग की मौत मल्टी ऑर्गन फेल्योर की वजह से हुई थी। केरल में दो लोगों की कोविड से मौत हुई है।

आज पटना आ रहे हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 50 हजार करोड़ की 16 से अधिक विकास योजनाओं का करेंगे उद्घाटन और शिलान्यास

पटना (एजेंसी)। भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान में आतंकियों के सफाये के लिए चलाये गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार आज 29 मई को पटना आ रहे हैं। पटना में 50 हजार करोड़ की 16 से अधिक विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यस करेंगे। मालूम हो कि पांच महीने में प्रधानमंत्री की यह चौथी यात्रा है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि डबल इंजन सरकार बिहार में रोजगार और तेज विकास की पक्की गारंटी देती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पटना और विक्रमगंज आ रहे हैं, इसलिए जनता में विशेष उत्साह है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की कल से शुरू होने वाली दो दिवसीय (29 और 30 मई) बिहार यात्रा का स्वागत करते हुए कहा कि 50 हजार करोड़ की 16 से अधिक विकास योजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यस का भव्य कार्यक्रम इस राज्य के प्रति उनके विशेष लगाव और पूर्वी राज्यों को विकास की मुख्यधारा में लाने के संकल्प का प्रमाण है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार के प्रयास से और उनकी प्रशासनिक क्षमता को देखते हुए केंद्र सरकार ने बिहार के 20 जिलों में सड़क-पुल की 367.94 करोड़ की योजनाओं की स्वीकृति दी। केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में 103 नये पुल और 5 नयी ग्रामीण सड़कें बनेंगी। इससे लोगों को रोजगार मिलेगा और शिक्षा-स्वास्थ्य जैसी मौलिक सुविधाओं तक गांवों की पहुँच आसान होगी।

चांद दिखा 7 जून को देशभर में मनाई जाएगी बकरीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईद-उल-अजहा यानी बकरीद की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। इमारत-ए-शरिया की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि बुधवार यानी 28 मई को माह-ए-जिलहिज्जा का चांद नजर आ गया है। इसके साथ ही बताया गया कि माह-ए-जिलहिज्जा की 10 तारीख यानी 7 जून को शनिवार के दिन देश भर में ईद-उल-अजहा का त्योहार मनाया जाएगा। माह-ए-जिलहिज्जा हिजरी कैलेंडर का 12वां महीना है। इस महीने की 10 तारीख को ईद-उल अजहा यानी बकरीद का त्योहार मनाया जाता है। इसी दिन सऊदी अरब के मक्का शहर में दुनियाभर से पहुंचे मुसलमान हज अदा करते हैं। वहीं, दुनिया भर में जो लोग हज पर नहीं जा पाते हैं। अपने-अपने इलाके में बकरीद की नमाज अदा करने के बाद पशुओं की कुर्बानी देते हैं।

चौधरी बन रहे ट्रंप ने कहा रूस नहीं माना तो बुरा होगा, पुतिन ने दिया जवाब- तीसरा विश्वयुद्ध

मॉस्को (एजेंसी)। अमेरिका बिना बुलाया मेहमान और चौधरी बनने का मौका कहीं नहीं छोड़ता। कई बार उसे दो टूक जवाब भी मिल जाता है। हाल ही रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुतिन को चेतावनी देते हुए कहा कि वो आग से खेल रहे हैं और अगर स्थिति नहीं सुधरी तो रूस के लिए वाकई बहुत बुरी चीजें हो सकती हैं। इसके जवाब में रूस ने भी खुली धमकी दी है- हमें एक वाकई बुरी चीज पता है—तीसरा विश्व युद्ध!

ट्रंप का बयान यूक्रेन युद्ध को लेकर पुतिन पर अमेरिका की कड़ी प्रतिक्रिया का हिस्सा है। बीते दिनों यूक्रेन में बड़े ड्रोन हमले के बाद ट्रंप ने पुतिन को पूरी तरह पागल तक कह दिया था। अमेरिका इस समय रूस पर नए प्रतिबंधों की तैयारी कर रहा है, और ऐसे में यह बयान कूटनीतिक दबाव बढ़ाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर लिखा, अगर मैं न होता तो रूस के लिए अब तक वाकई बहुत बुरा हो चुका होता। और मेरा मतलब वाकई बहुत बुरा है। पुतिन आग से खेल रहे हैं! पश्चिमी देशों ने पुतिन पर आरोप लगाया है कि वह जानबूझकर शांति वार्ताएं टाल रहे हैं, जबकि रूस का कहना है कि यूक्रेन उनके नागरिकों पर हमले कर रहा है और ये जवाबी कार्रवाई है। रूस ने हाल ही में अमेरिका पर यह आरोप भी लगाया कि वह कूटनीतिक समाधान को नाकाम करने की कोशिश कर रहा है।

मणिपुर में भाजपा ने किया सरकार बनाने का दावा

-राज्यपाल के पास 10 विधायक पहुंचे, 44 के समर्थन का दावा; यहां अभी राष्ट्रपति शासन

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर में 10 विधायकों ने बुधवार को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया है। इनमें 8 भाजपा, एनपीपी और निर्दलीय के एक-एक विधायक हैं। इन्होंने दावा किया है इनके पास 44 विधायकों का समर्थन है। मणिपुर में 60 विधानसभा सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 31 है। निर्दलीय विधायक सपाम निशिकांत सिंह ने कहा- हमने राज्यपाल को एक पेपर दिया है, जिस पर 22 विधायकों ने साइन किए हैं। मणिपुर में सभी एनडीए विधायक सरकार बनाना चाहते हैं। हम जनता का समर्थन भी चाहते हैं। हमें उम्मीद है कि जल्द ही लोकप्रिय सरकार का गठन होगा।

बीरेन सिंह ने 9 फरवरी को दिया इस्तीफा

मणिपुर में 13 फरवरी से राष्ट्रपति शासन लागू है। 9 फरवरी को भाजपा सरकार का नेतृत्व करने वाले तत्कालीन सीएम एन बीरेन सिंह ने इस्तीफा दे दिया था। बीरेन सिंह पर राज्य में डेढ़ साल से ज्यादा समय तक चली हिंसा न रोक पाने के चलते काफी दबाव था। मणिपुर में कुकी-मैतेई के बीच 3 मई, 2023 से हिंसा हो रही है। इन दो सालों में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। 1500 से ज्यादा घायल हुए। 70 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हैं। 6 हजार से ज्यादा एफआईआर दर्ज हुई हैं। विपक्षी पार्टियां हिंसा के मुद्दे पर लगातार एनडीए से सवाल पूछ रही थीं।

किसानों को मोदी सरकार का बड़ा तोहफा, खरीफ फसलों पर बढ़ाई एमएसपी, ब्याज सहायता योजना का भी ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2025-26 के खरीफ सत्र के लिए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 69 रुपये बढ़ाकर 2,369 रुपये प्रति क्विंटल करने की मंजूरी दी है। इस बात की जानकारी केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए एक बड़ा फैसला लिया गया है। पिछले 10-11 सालों में खरीफ फसलों के लिए रिकॉर्ड भारी बढ़ोतरी की गई है। इसी कड़ी में, खरीफ विपणन सत्र 2025-26 के लिए रिकॉर्ड को कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई है। कुल राशि लगभग 2,07,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। हर फसल के लिए लागत के साथ 50प्र. को भी ध्यान में रखा गया है।

दालों की बात करें तो 2025-26 के खरीफ सत्र के लिए तुअर का न्यूनतम समर्थन मूल्य 450 रुपये बढ़कर 8,000 रुपये प्रति क्विंटल, उड़द का 400 रुपये बढ़कर 7,800 रुपये प्रति क्विंटल और मूंग

का 86 रुपये बढ़कर 8,768 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। रामतिल, रागी, कपास और सेसम (तिल) के लिए एमएसपी में पिछले वर्ष की तुलना में उच्चतम पूर्ण वृद्धि की सिफारिश की गई है। खरीफ फसलों के 2025-26 के लिए समर्थन मूल्य में वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 के अनुरूप है, जिसमें एमएसपी को उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर करने की घोषणा की गई थी।

अश्विनी वैष्णव ने यह भी बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ब्याज सहायता योजना को मंजूरी दी है। अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री रहते हुए किसान क्रेडिट कार्ड की शुरुआत की गई थी। इससे किसानों के लिए कार्यशील पूंजी प्राप्त करना बहुत आसान हो गया था। ब्याज सहायता योजना के माध्यम से कार्यशील पूंजी की लागत कम हो गई है। प्रभावी रूप से, किसानों के लिए 4त्न ब्याज पर 2 लाख रुपये तक का ऋण/पूंजी सुनिश्चित करने पर विचार किया गया है।

पाकिस्तान से सटे बॉर्डर इलाकों में आज मॉक ड्रिल

-हवाई हमलों से बचने का होगा अभ्यास, सायरन बजेंगे; सिविल डिफेंस ने शुरू की तैयारियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान से सटे राज्यों में गुरुवार शाम को मॉक ड्रिल होगी। ये मॉक ड्रिल गुजरात, पंजाब, राजस्थान और जम्मू कश्मीर में होगी। इस दौरान लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी जाएगी। सरकार ने 4 राज्यों- जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात में मॉक ड्रिल करने का आदेश दिया है। इन 4 राज्यों की सीमा ही पाकिस्तान से लगती है।

भारत और पाकिस्तान के बीच 3,300 किलोमीटर से ज्यादा लंबी सीमा है। जम्मू-कश्मीर से लगने वाली सीमा को नियंत्रण रेखा यानी रुशष्ट कहा जाता है। जबकि, पंजाब, राजस्थान और गुजरात से लगनी वाली सीमा अंतर्राष्ट्रीय सीमा कहलाती है। इससे पहले भी केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच 7 मई को देश के 244 जिलों में मॉक ड्रिल करने का ऐलान किया था। लेकिन 6-7 मई की रात भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई की। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक हमला किया था, जिसमें कई आतंकवादी मारे गए थे। लेकिन पाकिस्तान के 12 और आतंकी ठिकानों की लिस्ट तैयार है। पीओके से लेकर पाकिस्तान के अंदर तक आतंक की जड़ों को खत्म करने का ऑपरेशन चल रहा है।

पूर्व पाक सेना मेजर ने खोल दी पोल, आसिम मुनीर ने बनाया पहलगाम अटैक का प्लान, आईएसआई ने किया सर्विलांस

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले में 26 नागरिक मारे गए थे। यह साजिश पाकिस्तान के सेना प्रमुख और फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने अपने खिलाफ लोगों की नाराजगी को दूर करने और अपनी कुर्सी बचाने के लिए रची थी। यह बात पाकिस्तान के एक पूर्व मेजर ने इंडिया टीवी को बताई है। इस हमले के मास्टरमाइंड मुनीर ने पाकिस्तानी सेना के चार से पांच शीर्ष अधिकारियों को भी इसमें शामिल किया था। पहलगाम में खून-खराबे की साजिश रचने वाले इन अधिकारियों के नाम, चेहरे और पदनाम अब उजागर हो चुके हैं।

यह बात पाकिस्तानी सेना के पूर्व मेजर आदिल राजा ने एक विशेष बातचीत में कही। राजा ने खुलासा किया कि कैसे पाकिस्तानी सेना आतंकवादियों का समर्थन करती है और जम्मू-कश्मीर में हिंसा को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान के भीतर से अपने संचालकों के माध्यम से काम करती है।

इससे भारत द्वारा पाकिस्तान प्रायोजित

आतंकवाद और पहलगाम हत्याकांड सहित भारत में आतंकी हमलों की साजिश रचने में उनकी सैन्य और खुफिया एजेंसियों के हाथ होने के बारे में किए गए दावों की पुष्टि होती है। ये दावे अज्ञात स्रोतों से नहीं बल्कि पाकिस्तानी सेना के एक पूर्व अधिकारी द्वारा किए गए चौंकाने वाले खुलासे से सामने आए हैं। रजा के बयान से यह स्पष्ट हो गया है कि उनकी सेना आतंकी हमले में शामिल थी और असीम मुनीर ने इसमें प्रत्यक्ष भूमिका निभाई थी।

ग्रीस संसद में कनिमोझी ने कहा, आतंकवाद से सिर्फ भारत ही पीड़ित नहीं, बल्कि पूरी दुनिया परेशान

एथेंस (एजेंसी)। ग्रीस में डीएमके सांसद कनिमोझी के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का हेलेनिक संसद में भारत-ग्रीस मैत्री समूह की अध्यक्ष मारिया एंटोनियो और संसदीय समूह एनडी के सचिव क्रिस्टोस डरमेंटज़ोपोलोस ने स्वागत किया। डीएमके सांसद कनिमोझी को ग्रीक पक्ष की ओर से डरमेंटज़ोपोलोस ने आभार प्रकट किया। हेलेनिक संसद में डीएमके सांसद कनिमोझी ने कहा कि जब भारत पर हमला होता है, तब सभी राजनीतिक दल एक साथ खड़े होते हैं क्योंकि हम अपने देशवासियों प्रतिनिधित्व करते हैं, जो हाल ही में हमारी धरती पर हुई घटना से दुखी हैं। हम ग्रीस को हमारे साथ खड़े होने और आतंकवाद की निंदा करने के लिए धन्यवाद देते हैं।

कनिमोझी ने कहा कि आतंकवाद सिर्फ़ भारतीय धरती पर ही नहीं रुकता,

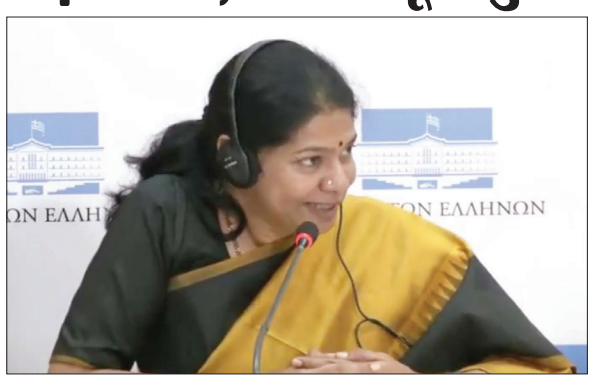

यह फैलता है, और कोई भी देश सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने हाल ही में इंटरव्यू में कहा कि वे दुनिया के गंदे काम करते हैं।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर कर भारत ने बहुत ज़िम्मेदारी से जवाब दिया। हमारी सेना ने उनके नागरिक आवासों या संरचनाओं, पूजा स्थलों या वैध सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया। हमारे प्रधानमंत्री, राजनेताओं और लोगों ने स्पष्ट किया है कि अब बहुत हो चुका। वहीं, भारत के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की सऊदी अरब यात्रा शुरू हो गई है। इसके साथ ही प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख सदस्य बैजयंत जय पांडा ने कहा कि वह यह संदेश लेकर आए हैं कि आतंकवाद पर भारत का रुख दृढ़ है जिससे कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

रियाद पहुंचने से पहले प्रतिनिधिमंडल ने बहरीन और कुवैत की यात्रा की। पांडा ने कहा, आतंकवाद पर भारत का रुख दृढ़ और अडिग है, यह एक ऐसा संदेश है जिसे हम अपने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ सऊदी अरब लेकर आए हैं। हम सऊदी अरब-भारत मैत्री समिति-शूरा कार्उंसिल सऊदी अरब के अध्यक्ष महामहिम मेजर जनरल अब्दुल रहमान अलहरबी द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत की सराहना करते हैं और हम अपनी बढ़ती साझेदारी को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कार्य शुरू कर रहे हैं।''

भारत से गए मुहाजिरों पर हो रहे अत्याचार, पीएम से बचाने की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में रह रहे भारतीय मुस्लिम यानी मुहाजिरों पर अत्याचार हो रहे हैं। उनकी दास्ता बताते हुए पाकिस्तान से निर्वासित नेता और मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट के संस्थापक अल्ताफ हुसैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुहाजिरों को बचाने की अपील की है। हुसैन ने अपने लाइव संबोधन में पीएम मोदी की तारीफ की है। हुसैन ने पीएम मोदी से अपील भी की कि पाकिस्तान में भारत से आए मुहाजिरों पर पाक सेना अत्याचार करती है। इन्हें आज भी पाकिस्तानी नहीं समझा जाता। उन्होंने पीएम मोदी से उन मुहाजिरों को बचाने की अपील की।

उन्होंने आरोप लगाया कि पाक सेना की कार्रवाइयों में 25,000 से ज़्यादा मुहाजिर युवाओं की हत्या कर दी गई और हज़ारों को उनके माता-पिता के सामने से उठाकर ग़ायब कर दिया गया, जो आज तक लापता हैं। अल्ताफ हुसैन ने कहा कि पिछले 61 वर्षों से मुहाजिरों का शैक्षणिक, आर्थिक और

शारीरिक शोषण किया जा रहा है और पाकिस्तान में उनकी आवाज़ सुनने वाला कोई नहीं है।

गौरतलब है कि विभाजन के समय लाखों लोगों ने अपना घर-बार छोड़कर एक नई ज़िंदगी की शुरुआत की थी। पाकिस्तान गए इन भारतीय मुसलमानों को उम्मीद थी कि उन्हें वहां सम्मान और बराबरी मिलेगी, लेकिन दशकों बाद भी वे अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं।

सोशल मीडिया पर अल्ताफ ने कहा कि कुछ मीडिया चैनल्स ने उनके संबोधन को गलत समझा, उन्होंने पीएम मोदी को कोई चिट्ठी नहीं भेजी, बल्कि तारीफ की है और भावुक अपील भी। अल्ताफ के मुताबिक, पीएम मोदी का बलूच लोगों के प्रति नरम रुख साहसिक और नैतिकता दिखाता है। उन्होंने पाकिस्तान में भारत से गए मुहाजिरों पर हो रहे अत्याचार का भी जिक्र किया। अल्ताफ ने कहा कि पाकिस्तान की सैन्य व्यवस्था ने न केवल इन मुहाजिरों और उनकी आने वाली पीढ़ियों को पाकिस्तानी मानने से इनकार कर दिया है, बल्कि उनकी आवाज़ उठाने वाली पार्टी पर भी कई बार सैन्य कार्रवाई की है।

कौन हैं मुहाजिर

मुहाजिर वे लोग हैं जो भारत-पाक विभाजन के दौरान और उसके बाद भारत से पाकिस्तान गए थे, खासकर उत्तर भारतीय राज्यों से जाकर कराची, सिंध और पंजाब जैसे इलाकों में बसे। ये उर्दू भाषी लोग हैं और पाकिस्तान में अल्पसंख्यक बन गए। इन्होंने पाकिस्तान के शहरी क्षेत्रों खासकर कराची, लाहौर और सिंध में बसकर शिक्षा, व्यापार, प्रशासन आदि में अहम भूमिका निभाई है।

मैं भाषा के बारे में बात करने के योग्य नहीं, इसे विशेषज्ञों पर छोड़ दें, कन्नड़ विवाद पर बोले कमल हासन

चेन्नई। कन्नड़ तमिल से निकला है वाले बयान को लेकर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेता कमल हासन ने कहा है कि मैंने प्यार से कहा और स्नेह से कही गई किसी बात के लिए माफी नहीं मांगेंगे। केरल के तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों से बात करते हुए हासन ने कहा कि मैंने जो कहा वह प्रेम से कहा था और बहुत से इतिहासकारों ने मुझे भाषा का इतिहास पढ़ाया है। मेरा कोई मतलब नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीतिक हस्तियों में अक्सर ऐसे मामलों पर बोलने के लिए विशेषज्ञता की कमी होती है। मक्कल निधि मैयम (एमएनएम) के अध्यक्ष कमल हासन ने राज्य के राजनीतिक इतिहास के उदाहरणों का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि तमिलनाडु ने लंबे समय से विविधतापूर्ण नेतृत्व को अपनाया है। उन्होंने तमिलनाडु की राजनीतिक विरासत की समावेशिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तमिलनाडु एक ऐसा राज्य है जहाँ मेनन हमारे मुख्यमंत्री रहे हैं, रेड्डी हमारे मुख्यमंत्री रहे हैं, तमिल हमारे मुख्यमंत्री रहे हैं और कन्नड़ अयंगर हमारे मुख्यमंत्री रहे हैं। हासन ने भाषा की उत्पत्ति के बारे में बयान देने में राजनेताओं से संयम बरतने का आह्वान किया और कहा कि ऐसे मामलों को क्षेत्र के विशेषज्ञों पर छोड़ देना चाहिए। राजनेता भाषा के बारे में बात करने के लिए योग्य नहीं हैं। उनके पास इस बारे में बात करने की योग्यता नहीं है, जिसमें मैं भी शामिल हूँ। आइए हम इन सभी गहन चर्चाओं को इतिहासकारों, पुरातत्वविदों और भाषा विशेषज्ञों पर छोड़ दें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाराणा प्रतापः शौर्य, बलिदान एवं साहस का अमिट आलेख

महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ में हुआ था। जो हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि थी। जो इस वर्ष 29 मई को मनाई जाएगी। युवावस्था में ही महाराणा प्रताप ने तलवारबाजी, घुड़सवारी और युद्धनीति में महारत हासिल कर ली थी। उनकी जन्म जयंती न केवल उनके जन्म का उत्सव है, बल्कि उनके आदर्शों, विरासत और भारत की सांस्कृतिक धरोहर में दिए गए उनके अमूल्य योगदान का सम्मान भी है। महाराणा प्रताप और मुगल सम्राट अकबर के सेनापति राजा मानसिंह के बीच 8 जून 1576 में हल्दीघाटी का युद्ध हुआ था। महाराणा प्रताप ने लगभग 20 हजार सैनिकों के साथ 85 हजार की मुगल सेना से बहुत ही साहस, शौर्य, पराक्रम एवं बहादुरी के साथ सामना किया।

(लेखक - ललित गर्ग)

महाराणा प्रताप जन्म जयन्ती- 29 मई, 2025)

हमारा देश भारत जिसे आस्था और विश्वास, शौर्य एवं शक्ति, बहादुरी और साहस, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की वीरभूमि कहा जाता है, जहां की सभ्यता और संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृति में शुमार है, जिसका अनुसरण संपूर्ण विश्व करता है। भारत की भूमि महान योद्धाओं की भूमि रही है, जिन्होंने भारत की एकता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे ही एक वीर एवं साहसिक योद्धा एवं सच्चे भारतीय महानायक थे महाराणा प्रताप, जो राजपूतों के सिसोदिया वंश से संबंध रखते थे। महाराणा को भारत का प्रथम स्वतंत्रता सेनानी भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कभी अकबर के सामने समर्पण नहीं किया। मुगल साम्राज्य के विस्तार के विरुद्ध उनके प्रबल प्रतिरोध ने उन्हें भारतीय इतिहास में अमर बना दिया है। हल्दीघाटी के युद्ध में अकबर की विशाल सेना का सामना करते हुए उन्होंने जो वीरता दिखाई, वह आज भी शौर्य, पराक्रम, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की प्रेरणा देती है। उनके जीवन की घटनाएं गौरवमय इतिहास बनी है। वे एकलौते ऐसे महान् राजपूत योद्धा थे, जिन्होंने अकबर को चुनौती देने का साहस ही नहीं दिखाया बल्कि युद्ध के मैदान में लोहे के चने चबवाये।

महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ में हुआ था। जो हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि थी। जो इस वर्ष 29 मई को मनाई जाएगी। युवावस्था में ही महाराणा प्रताप ने तलवारबाजी, घुड़सवारी और युद्धनीति में महारत हासिल कर ली थी। उनकी जन्म जयंती न केवल उनके जन्म का उत्सव है, बल्कि उनके आदर्शों, विरासत और भारत की सांस्कृतिक धरोहर में दिए गए उनके अमूल्य योगदान का सम्मान भी है। महाराणा प्रताप और मुगल सम्राट अकबर के सेनापति राजा मानसिंह के बीच 8 जून 1576 में हल्दीघाटी का युद्ध हुआ था। महाराणा प्रताप ने लगभग 20 हजार सैनिकों के साथ 85 हजार की मुगल सेना से बहुत ही साहस, शौर्य, पराक्रम एवं बहादुरी के साथ सामना किया। दोनों सेनाओं के बीच गोगुडा के नजदीक अरावली पहाड़ी की हल्दीघाटी शाखा के बीच यह युद्ध हुआ। इस लड़ाई को हल्दीघाटी के युद्ध के नाम से जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस युद्ध में न तो अकबर जीत सका और न ही राणा हारे। मुगलों के पास सैन्य शक्ति अधिक थी तो राणा प्रताप के पास जुझारू शक्ति की कोई कमी नहीं थी। उन्होंने आखिरी समय तक अकबर से संधि की बात स्वीकार नहीं की और मान-सम्मान के साथ जीवन व्यतीत करते हुए लड़ाइयां लड़ते रहे।

इस युद्ध में उनका प्रिय घोड़ा चेतक भी वीरगति को प्राप्त हो गया, लेकिन इसके बाद भी महाराणा प्रताप ने हार नहीं मानी और युद्ध जारी रखा। मुगल शासक अकबर ने मेवाड़ पर अपना अधिकार स्थापित करने की भरपूर कोशिश की। लेकिन महाराणा प्रताप ने कभी भी अकबर की अधीनता को स्वीकार नहीं किया और जीवन भर मुगलों के खिलाफ स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए संघर्ष करते रहे। उनका परिवार बहुत ही कठिन परिस्थितियों में रहा। वे कई सालों तक जंगलों, गुफाओं और पहाड़ियों में रहे। उन्होंने पेड़ों की छाल से बने साधारण कपड़े पहने और जंगली फल और जड़ें खाईं। उनकी पत्नी और बच्चे कभी-कभी घास की रोटी खाते थे। फिर भी, उन्होंने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया या मुगलों के साथ समझौता नहीं किया। उनके शौर्य और वीरता की कहानी को आज भी बहुत ही गर्व के साथ याद किया जाता है। राजस्थानी भाषा के ख्यात कन्हैयालाल सेठिया की प्रसिद्ध राजस्थानी कविता 'पातल और पीथल' हल्दीघाटी युद्ध के बाद की घटनाओं पर आधारित राणा प्रताप के जीवन में आई कठिनाइयों और उनके संघर्ष को दर्शाती है। आजाद भारत में महाराणा प्रताप जैसे शूरवीरों के त्याग एवं बलिदान, शौर्य एवं पराक्रम को विस्मृत करने की चेष्टायें व्यापक पैमाने पर हुई है। हमने इन असली महानायकों को भूलाकर अकबर एवं औरंगजेब जैसे आक्रांताओं को नायक बनाने की भारी भूल की है, नायक अकबर नहीं महाराणा प्रताप हैं, उन्होंने औरंगजेब को घुटने टेकने पर मजबूर किया और घुट-घुट कर मरने पर मजबूर किया। सनातन धर्म को नष्ट करने की साजिश करने वाले भारत के नायक कैसे हो सकते? अकबर हो या औरंगजेब, हिन्दुओं एवं हिन्दू राष्ट्र के प्रति सबकी मानसिकता एक ही थी- भारत की सनातन परंपरा को रौंदने के लिए तमाम षड्यंत्र रचना एवं भारत की समृद्ध विरासत को लूटना। इसके विपरीत, महाराणा प्रताप ने अपने बलिदान से सनातन संस्कृति की रक्षा की। ये राष्ट्रनायक हमारी असली प्रेरणा हैं।

भारतीय इतिहास में जितनी महाराणा प्रताप की बहादुरी की चर्चा हुई है, उतनी ही प्रशंसा उनके घोड़े चेतक को भी मिली। कहा जाता है कि चेतक कई फीट ऊंचे हाथी के मस्तक तक उछल सकता था। कुछ लोकगीतों के अलावा हिन्दी कवि श्यामनारायण पांडेय की वीर रस कविता 'चेतक की वीरता' में उसकी बहादुरी की खूब तारीफ की गई है। जब मुगल सेना महाराणा के पीछे लगी थी, तब चेतक उन्हें अपनी पीठ पर लादकर 26 फीट लंबे नाले को लांघ गया, जिसे मुगल फौज का कोई घुड़सवार पार न कर सका। मेवाड़ की जनजाति 'भील' कहलाती है। भीलों ने हमेशा हर संकट एवं संघर्ष के क्षणों में महाराणा प्रताप साथ दिया। एक किवदंती है कि महाराणा प्रताप ने अपने वंशजों को वचन दिया था कि जब तक वह चित्तौड़ वापस हासिल नहीं कर लेते, तब तक वह पुआल यानी घास पर सोएंगे और पेड़ के पत्ते पर खाएंगे। आखिर तक महाराणा को चित्तौड़ वापस नहीं मिला। उनके वचन का मान रखते हुए आज भी कई राजपूत अपने खाने की प्लेट के नीचे एक पत्ता रखते हैं और बिस्तर के नीचे सूखी घास का तिनका रखते हैं। महाराणा प्रताप का बचपन भील समुदाय के साथ बिता, भीलों के साथ ही वे युद्ध कला सीखते थे, भील अपने पुत्र को कीका कहकर पुकारते है, इसलिए भील महाराणा को भी कीका नाम से पुकारते थे। महाराणा प्रताप का दिल और दिमाग ही नहीं, बल्कि उनका शरीर भी साहसी एवं लोह समान था। कहा जाता है कि महाराणा प्रताप 7 फीट 5 इंच लंबे थे। वह 110 किलोग्राम का कवच पहनते थे, वह 25-25 किलो की 2 तलवारों के दम पर किसी भी दुश्मन से लड़ जाते थे। महाराणा प्रताप एक महान पराक्रमी और युद्ध रणनीति कौशल में दक्ष थे। उन्होंने मुगलों के बार-बार हुए हमलों से मेवाड़ की रक्षा की। उन्होंने अपने पूरे जीवन में कभी भी अपनी आन, बान और शान के साथ समझौता नहीं किया। उनको धन-दौलत की नहीं बल्कि मान-सम्मान की ज्यादा परवाह थी। अकबर के सामने महाराणा पूरे आत्मविश्वास से टिके रहे। एक ऐसा भी समय था, जब लगभग पूरा राजस्थान मुगल बादशाह अकबर के कब्जे में था, लेकिन महाराणा अपना मेवाड़ बचाने के लिए अकबर से 12 साल तक लड़ते रहे।

महाराणा प्रताप के देशप्रेम, साहस एवं समर्पण ने उनके लोगों को प्रेरित किया। भामाशाह ने एक बार सेना के पुनर्निर्माण में मदद करने के लिए अपनी सारी बचत और सोना दान कर दिया। अपने जीवन के अंतिम वर्षों में महाराणा प्रताप ने मुगलों से कई महत्वपूर्ण स्थानों को पुनः प्राप्त किया, जिनमें देवर, कुंभलगढ़, रणकपुर और चावंड शामिल हैं। उन्होंने चावंड को अपनी नई राजधानी बनाया और अपने राज्य की स्थिति को सुधारने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने सड़कें, झीलें, मंदिर और सिंचाई प्रणालियाँ बनवाईं। महाराणा प्रताप सिर्फ योद्धा ही नहीं थे बल्कि एक अच्छे शासक भी थे। उन्होंने स्थानीय कला, कृषि और संस्कृति को महत्व दिया। उनका शासन न्याय और लोगों के कल्याण पर आधारित था। उनका निडर स्वभाव, दृढ़ता और अपनी भूमि के प्रति प्रेम उन्हें भारतीय इतिहास के सबसे महान प्रतीकों में से एक बनाता है। उन्होंने साबित कर दिया कि असली ताकत संख्या में नहीं, बल्कि चरित्र में होती है। वह अपनी बहादुरी, बलिदान और देशभक्ति के उदाहरण से पीढ़ियों को प्रेरित करते रहते हैं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

सामूहिक आत्मघात

हरियाणा के पंचकूला में उत्तराखंड से आए एक परिवार की सामूहिक आत्महत्या ने हर संवेदनशील व्यक्ति को गहरे तक झकझोर कर रख दिया। एक कार में नाकाम बेटे ने मां-बाप,पत्नी, दो किशोर बेटियों व एक बेटे के साथ जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पूरे परिवार के खत्म होने के बाद कुछ समय के लिए जीवित बचे व्यक्ति ने चश्मदीद को बताया कि वह कर्ज में डूब गया था, कोई रास्ता नजर न आता देख सामूहिक आत्महत्या का निर्णय लिया। पुलिस के पहुंचने व चिकित्सीय प्रयासों के बावजूद परिवार में किसी व्यक्ति को बचाया नहीं जा सका। निश्चय ही यह दुखद घटना हर इंसान को उद्वेलित करती है। लेकिन यह भयावह घटना तमाम सवालों को जन्म देती है। आखिर इंसान कैसे सोच लेता है कि आत्महत्या कर लेना संकट का अंतिम समाधान है? जब व्यक्ति में जोखिम से उपजे संकट से जूझने का सामर्थ्य नहीं है तो भारी कर्जा उठाना कितना तार्किक है? महत्वपूर्ण सवाल यह भी कर्ज से हारे व्यक्ति को ये अधिकार किसने दे दिया कि वो अपने साथ दो पीढ़ियों को सदा के लिये खत्म कर दे? कैसे कोई व्यक्ति अपनी नाकामी की सजा मां-बाप, पत्नी व बच्चों को दे सकता है? यह कल्पना करनी भी भयावह है कि अपना अधिकांश जीवन जी चुके मां-बाप, तीन बच्चों को जन्म देने वाली मां तथा सुखी भविष्य की कल्पना के साथ जीवन की पारी की शुरूआत करने वाले बच्चों ने जहर खाना सहज स्वीकारा होगा। यदि उन्हें यह जहर बिना बताए भी दिया गया होगा तो भी जहर की पीड़ा ने उन्हें तड़फाया भी होगा। अकसर ऐसे मामलों में पूरे परिवार को मौत की राह में ले जाने वाले आत्मघाती व्यक्ति के मन में यह भय भी होता है कि उसके जाने के बाद उसके परिवार का क्या होगा? कहीं उसके लिये कर्ज की सजा परिवार को तो नहीं मिलेगी? निस्संदेह, एक परिवार का यूं जहर खाकर आत्महत्या करना हमारी सामाजिक व्यवस्था में आई विद्रूपताओं की ओर इशारा करता है। जिस भी बैंक या व्यक्ति से आत्महत्या करने वाले परिवार के मुखिया ने कर्ज लिया था, निश्चय ही वहां से उसे किसी भी तरह की राहत की उम्मीद नजर नहीं आई होगी। लेकिन सवाल उठता है कि क्या उसे अपने मित्रों व रिश्तेदारों से भी किसी राहत की उम्मीद नहीं थी? कहा जाता है कि पड़ोसी व मित्र ही संकट के समय में मददगार होते हैं। तो क्या माना जाना चाहिए कि आज हमारे रिश्ते महज दिखावे के रह गए हैं? आखिर विवाह समारोह समेत तमाम अवसरों पर जुटने वाली लोगों की भीड़ केवल महज खाने-पीने तक की ही दोस्त होती है? क्या नैतिक दायित्व नहीं बनता कि संकट में फंसे व्यक्ति के नाते रिश्तेदार या मित्र मदद करें? बहरहाल, गत सोमवार को घटी घटना के सभी तथ्य सामने आने में अभी वक्त लगेगा और घटनाक्रम से जुड़ी अन्य जानकारियां भी सामने आएंगी। लेकिन यह एक हकीकत है कि एक कर्ज से हारा हंसता-खेलता परिवार हमेशा-हमेशा के लिये चिरनिद्रा में सो गया है। लेकिन यह दुखांत हमें कई सबक दे गया है। पहला तो यही कि हमें कर्ज उसी सीमा तक लेना चाहिए, जिस सीमा तक हम चुकाने की सामर्थ्य रख सकें। कोई भी जोखिम यदि हम व्यापार में उठाएं तो उसके तमाम नकारात्मक पहलुओं पर जरूरी विचार करें। उसके बुरे से बुरे परिणाम के बारे में आकलन करें। दूसरा सबक यह है कि हमारे सामने संकट कितना भी बड़ा क्यों न हो, हमें हार नहीं माननी चाहिए। यह भी कि खुद व परिवार को मौत के मुंह में धकेलना किसी समस्या का समाधान नहीं है। आज की पीढ़ी जल्दी मोटा मुनाफा कमाने की होड़ में बड़े कर्ज लेकर दांव तो खेलती है,लेकिन जरूरी नहीं हर जोखिम लाभदायक ही साबित हो।

मोहन सरकार के नवाचार कृषि क्षेत्र में ला रहे हैं बदलाव

(लेखक - हर्षवर्धन पान्डे)

मध्यप्रदेश की मोहन सरकार ने अपने कार्यकाल में कृषि क्षेत्र में कई नवाचारों और नीतियों को लागू करके राज्य को कृषि क्षेत्र में विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने, खेती को लाभकारी बनाने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इन नीतियों में कृषि उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने, सिंचाई के बेहतर संसाधनों की उपलब्धता और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलवाने के लिए अनेक पहल की गई है ।

मोहन सरकार ने रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को कम करने के लिए जैविक और पारम्परिक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वयं इस बात पर बल दिया है कि जैविक खेती न केवल एक उत्पादन विधि है, बल्कि यह किसानों की समृद्धि और आत्मनिर्भरता का आधार है। भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, मध्यप्रदेश में वर्तमान वर्ष में लगभग 1 लाख एकड़ क्षेत्र में जैविक खेती का कार्यक्रम चल रहा है और आगामी वर्षों में इसे 5 लाख हेक्टेयर तक विस्तारित करने का लक्ष्य रखा गया है।

जैविक कृषि को बढ़ावा देने के साथ ही प्रदेश में मटर, सोयाबीन, तुअर दाल और आलू जैसे फसलों का उत्पादन में राज्य में तेजी आई है और इन उत्पादों का निर्यात भी काफी बढ़ा है जिसने किसानों की आय में वृद्धि के साथ राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की है।कृषि क्षेत्र में ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए मोहन सरकार ने सौर पंप योजना को बेहतर तरीके से लागू किया है। इस योजना के तहत किसानों को मात्र 10ब राशि जमा करने पर सौर पंप उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अगले तीन वर्षों में 32 लाख सौर पंप वितरित करने का लक्ष्य सरकार ने रखा है। इसके अतिरिक्त किसानों द्वारा उत्पादित अतिरिक्त बिजली को सरकार खरीदेगी जिससे किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त होगी। यह योजना न केवल बिजली बिल से मुक्ति दिलाएगी, बल्कि किसानों को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाएगी।

मध्यप्रदेश में बीते डेढ़ वर्ष में कृषि मंडियों का आधुनिकीकरण, विपणन और भंडारण की सुविधाओं में भी बड़ा सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने किसानों के उत्पादों को बेहतर दाम दिलवाने के लिए कृषि मंडियों और कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं में विस्तार किया है जिससे किसानों को अपनी उपज को बाजार में बेहतर मूल्य पर बेचने का अवसर मिल रहा है। नई जरूरतों के मुताबिक अब अलग-अलग मंडियों की स्थापना पर विचार किया जाना चाहिए।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश की कृषि मंडियों को आदर्श बनाने के निर्देश दिए हैं। मंडियों में आधुनिक सुविधाओं को बढ़ाने से लेकर उनके प्रबंधन को और अधिक पारदर्शी बनाने पर जोर दिया जा रहा है। मंडी शुल्क का उपयोग किसानों की कल्याणकारी गतिविधियों के लिए किया जा रहा है साथ ही फल, सब्ज और मसाला मंडियों की स्थापना पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अलावा, राज्य में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर भी विशेष ध्यान दिया गया है जिससे किसानों को उचित लाभ मिल रहा है।इन प्रयासों से राज्य में कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है और किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मोहन यादव ने किसान कल्याण के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं जिनमें कृषि ऋण, बीमा और कृषि उपकरणों पर सब्सिडी जैसी योजनाएं शामिल हैं। इन योजनाओं से किसानों को वित्तीय मदद मिल रही है जिसने उन्हें खेती में उच्च गुणवत्ता वाले उपकरणों का उपयोग करने की सुविधा प्रदान की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि गेहूं उत्पादक किसानों को भी समर्थन मूल्य 2425 रुपये के अतिरिक्त 175 रुपये प्रति क्विंटल की बोनस राशि दी जायेगी जिससे लगभग 1400 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि का लाभ होगा। साथ ही गेहूं के उपार्जन पर प्रति क्विंटल 2600 रुपये की राशि मिलेगी। इस वर्ष प्रदेश में 80 लाख मीट्रिक टन गेहूं उपार्जन अनुमानित है। एमपी की मोहन सरकार ने श्रीअन्न (मिलेट्स) और विशेष फसलों को प्रोत्साहन देने की दिशा में कई बड़े कदम उठाए हैं। सरकार ने घोषणा की है कि वह किसानों से श्रीअन्न की खरीद करेगी, जिससे इन फसलों का उत्पादन बढ़ेगा। इसके अतिरिक्त, विशेष फसलों को भौगोलिक संकेतक जीआई टैग प्रदान करने की प्रक्रिया को तेज किया जा रहा है, ताकि मध्यप्रदेश की फसलों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मार्केट में नई पहचान मिले। राज्य सरकार ने प्रदेश के हर संभाग में किसान मेलों का आयोजन करने का निर्णय लिया है। इन मेलों में कृषि आधारित उद्योगों में निवेश पर जोर दिया जा रहा है। अप्रैल माह मेंमंदसौर जिले के सीतामऊ में आयोजित कार्यक्रम में किसानों को कृषि के आधुनिक यंत्रों और तकनीक से अवगत कराया गया। जिसके बाद अब 26 मई को नरसिंहपुर जिले में कृषि उद्योग समागम का आयोजन होने जा रहा है जिसका शुभारम्भ उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ के माध्यम से होगा।

मध्यप्रदेश में वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कृषि उद्योग समागम नरसिंहपुर का आयोजन मध्यप्रदेश में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने, खाद्य प्रसंस्करण में निवेश आकर्षित करने, और किसानों को बेहतर बाजार से जोड़ने के लिए किया जा रहा है। यह समागम उद्योगपतियों कृषक उत्पादक संगठनों एवं नीति निर्माताओं के बीच संवाद, नीति प्रस्तुति एवं सहयोग के अवसर प्रदान करेगा। कार्यक्रम में उद्योग इकाइयों का शिलान्यास एवं लोकार्पण तथा उद्योगपतियों को भूमि आवंटन पत्र एवं आशय पत्रों का वितरण भी होगा।इस तरह के इन समागमों के माध्यम से किसानों को अधिक बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे। नरसिंहपुर के बाद 8 से 10 जून 2025 तक सतना में विशाल कृषि मेले सह कृषक सम्मेलन भी आयोजित होंगे।

मुख्यमंत्री मोहन स्वयं ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर किसानों से सीधा संवाद कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में एक किसान सम्मेलन में कहा, हमारा लक्ष्य है कि किसानों की आय दोगुनी हो और वे आत्मनिर्भर बनें। इसके लिए सरकार हर संभव सहायता प्रदान करेगी। मोहन सरकार के किसान-हितैषी नवाचार कृषि क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत कर रहे हैं, जिससे न केवल किसानों का जीवन स्तर सुधरेगा बल्कि देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक हैं)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

(चिंतन- मनन)

वैज्ञानिक बनने की चाह

किसी समय लंदन की एक बस्ती में एक अनाथ बालक रहता था। वह अखबार बेचकर किसी तरह अपना गुजारा करता था। कुछ समय बाद उसे एक जिल्दसाज की दुकान पर जिल्द चढ़ाने का काम मिल गया। उस बालक को पढ़ने का बहुत शौक था। वह पुस्तकों पर जिल्द चढ़ाते समय महत्वपूर्ण बातें व जानकारियां पढ़ता रहता था। एक दिन जिल्द चढ़ाते समय उसकी नजर एक विद्युत संबंधी लेख पर पड़ी।

वह लेख उसे बहुत ही मनोरंजक लगा। उसने दुकान के मालिक से एक दिन के लिए वह पुस्तक मांग ली और रात भर में उस लेख के साथ ही पूरी पुस्तक भी पढ़ डाली। पुस्तक का उसके ऊपर गहरा असर पड़ा। इससे उसकी प्रयोग करने में जिज्ञासा बढ़ती गई और धीरे-धीरे वह अध्ययन एवं परीक्षण के लिए विद्युत संबंधी छोटी-मोटी चीजें इधर-उधर से जुटाने लगा। बालक की इस बारे में रुचि देखकर एक ग्राहक उससे बहुत प्रभावित हुआ। वह खुद भी विज्ञान में गहरी दिलचस्पी रखता था। एक दिन वह बालक को अपने साथ भौतिकशाप के प्रसिद्ध विद्वान डेवी का भाषण सुनाने ले गया। बालक ने डेवी की बातें ध्यान से सुनीं और उन्हें नोट भी किया। इसके बाद बालक ने उनके भाषण की समीक्षा करते हुए अपने कुछ परामर्श लिखकर डेवी के पास भेज दिए।

डेवी को बालक की सलाह बहुत पसंद आई। उन्होंने उसे अपने यंत्र व्यवस्थित करने के लिए अपने पास रख लिया। बालक उनके साथ रहने लगा। वह उनके सहयोगी और नौकर दोनों की भूमिका निभाता रहा। वह दिन भर कामों में व्यस्त रहता, रात को अध्ययन करता। थकान होने पर भी उसके चेहरे पर शिकन तक नहीं आती थी। वह भौतिकी के क्षेत्र में खासकर विद्युत के क्षेत्र में बहुत कुछ करना चाहता था। आखिरकार अपनी मेहनत और संकल्प से उसने अपना सपना पूरा किया। वह एक महान वैज्ञानिक बन गया। आज दुनिया उस बालक को माइकल फैराडे के नाम से जानती है।

विचार मंथन

ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही परिवार की लॉटरी खुली

(लेखक- सनत जैन)

राजनीति में नैतिकता अब पूरी तरह से खत्म हो गई है। सत्ता में बैठे हुए राजनेता अपनी शक्तियों का उपयोग स्वयं के लिए, परिवार और इष्ट मित्रों को ध्यान में रखते हुए सत्ता का उपयोग कर रहे हैं। यह बात इसलिए कहीं जा रही है, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी माह में राष्ट्रपति पद की शपथ ली। उसके बाद वह जिस तरह की नीतियां बना रहे हैं। उन नीतियों के कारण दुनिया भर के उद्योगपतियों और राज नेताओं को यह बात समझ आ गई है। यदि उन्हें अपना कारोबार बचाना है, तो ट्रंप का आर्शीवाद जरूरी होगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे और परिवार के अन्य सदस्य इन दिनों दुनिया के देशों में घूम-घूमकर, गिफ्ट इकट्ठी कर रहे हैं। ट्रम्प परिवार अपने व्यापार में वृद्धि करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। वियतनाम, इंडोनेशिया जैसे एशियाई देशों में ट्रंप के परिवार ने अरबों डॉलर के प्रोजेक्ट हासिल कर लिए हैं। अमेरिका की सरकार से अपने संबंधों को बेहतर करने के लिए करीब एक दर्जन देशों में ट्रंप के परिवार की खूब खातिरदारी हो रही है। उन्हें बड़े-बड़े प्रोजेक्ट दिए जा रहे हैं। ऐसे दर्जनों मामले अभी तक सामने आ चुके हैं। ट्रंप को अमेरिका का राष्ट्रपति बने हुए अभी 5 माह भी पूरे नहीं हुए हैं। ट्रंप परिवार की कमाई इन 5 महीनों में कई गुना बढ़ गई है। हजारों करोड़ रुपए के नए-नए प्रोजेक्ट ट्रंप परिवार की कंपनियों को मिले हैं। ट्रंप अमेरिकी सरकार के जो भी निर्णय कर रहे हैं। उसमें उनके परिवारजनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ट्रंप के परिवार ने पिछले 5 महीने में एक दर्जन से ज्यादा देशों में अपना कारोबार फैलाया है। टैरिफ को लेकर दुनिया के सभी देशों को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भयाक्रांत किया है। जिसके कारण दुनिया भर के उद्योगपति और विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष, ट्रम्प को प्रभावित करने के लिए उनके परिवार के साथ अपने रिश्ते बेहतर करके, गंगा में नहाने का पुण्य प्राप्त कर रहे हैं। वियतनाम के विन पुक प्रांत में 13000 करोड रुपए का ट्रंप इंटरनेशनल गोल्फ रिसोर्ट प्रोजेक्ट इसका ताजा मामला है। वियतनाम की सरकार ने राष्ट्रीय प्राथमिकता बताकर भूमि अधिग्रहण और वित्तीय छूट देकर ट्रंप परिवार के लिए कमाई के नए अवसर खोल दिए हैं। इसी तरह का एक प्रोजेक्ट इंडोनेशिया के बाली में गोल्फ कोर्स और होटल इत्यादि के लिये ट्रम्प परिवार को मिला हैं। इसमें भी इंडोनेशिया की सरकार ने सभी नियम कानून को दरकरार करते हुए ट्रंप परिवार के ऊपर मेहरबानी की है। दुनिया के देशों में सत्ता में बैठे हुए सत्ताधीस खुले आम अनैतिक रूप से काम करने लगे हैं। नैतिकता की कोई स्थिति देखने को नहीं मिल रही है। सत्ता में बने रहने के लिए हर स्तर पर सत्ता का दुरुपयोग किया जा रहा है। निजी हितों को ध्यान में रखते हुए नियम, कायदे और कानून बनाए जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में राजनीति का स्वरूप तेजी से बदला है। उसमें लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं पूरी तरह से खत्म होती जा रही हैं। एक तरह से पूंजीवादी व्यवस्था शासन व्यवस्था का अंग बनती जा रही है। आर्थिक कारणों से सत्ता में बैठे हुए लोग पक्षपात पूर्ण निर्णय कर रहे हैं। अमूमन यह स्थिति अधिकांश देशों में देखने को मिल रही है। राजनीति में आकर सत्ता के सिंहासन में बैठकर मनमाने तरीके से पैसे कमाने का जो चलन राजनेताओं के परिवारों और उनके पूंजीपति मित्रों में देखने को मिल रहा है। गरीब और मध्यम वर्ग शासन व्यवस्था से दूर होता जा रहा है। शासन व्यवस्था में बैठे हुए लोग अब पूंजीपतियों और निजी हितों को ध्यान में रखते हुए सरकारी नीतियां बना रहे हैं। अमेरिका जैसे देश में जब यह सब खुले आम हो रहा है। इसका असर दुनिया के देशों में किस तरह का पड़ेगा, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था के नाम पर जिस तरह की तानाशाही शासन व्यवस्था स्थापित होती जा रही है। उसके कारण अब गरीब और मध्यम वर्ग का गुजारा बहुत मुश्किल हो गया है। सामाजिक एवं राजनीतिक स्थितियों में इस बदलाव के कारण दुनिया के देशों में अशांति फैलती जा रही है। ठीक 100 साल पहले की स्थिति में पूरी दुनिया पहुंचती हुई दिख रही है। पूंजीवादी व्यवस्था यदि इसी अनैतिकता के साथ आगे बढ़ती रही, तो बगावत जैसी स्थितियां बनते देर नहीं लगेगी। प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध के समय राजतंत्र और पूंजीवादी व्यवस्था में जिस तरह की तानाशाही प्रवृत्ति थी। वही प्रवृत्ति वतर्मान में देखने को मिल रही है। उससे तीसरे विश्व युद्ध की आशंका बढ़ने लगी है। लोग अब इसकी चर्चा करने लगे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हीरो फिनकॉर्प को 3,668 करोड़ का आईपीओ लाने सेबी से मिली मंजूरी

नई दिल्ली।

दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी हीरो मोटोकॉर्प के वित्तीय सेवा प्रभाग हीरो फिनकॉर्प को 3,668 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए बाजार` नियामक सेबी ने मंजूरी प्रदान कर दी है। सेबी ने बुधवार को यह जानकारी दी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दाखिल किए गए दस्तावेजों के अनुसार प्रस्तावित आईपीओ 2,100 करोड़ रुपये के नए निर्गम और 1,568 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन होगा। सेबी के अनुसार हीरो फिनकॉर्प को 22 मई को आईपीओ लाने की मंजूरी दी गई। इसने आईपीओ लाने के लिए अगस्त में सेबी के समक्ष अपने प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए थे। हीरो फिनकॉर्प एक गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान (एनबीएफसी) है जो भारत में मुख्य रूप से खुदरा, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) ग्राहक वर्गों के लिए वित्तीय उत्पादों की एक विविध श्रृंखला पेश करती है।

वीआई का निदेशक मंडल 30 मई को कोष जुटाने के विकल्प तलाशेगा

नई दिल्ली।

कर्ज संकट का सामना कर रही दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) का निदेशक मंडल 30 मई की बैठक में कोष जुटाने के विकल्पों पर विचार करेगा। वोडाफोन आइडिया ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि इस बैठक में निदेशक मंडल कंपनी के वित्तीय नतीजों की मंजूरी पर भी विचार करेगा। घाटे में चल रही इस कंपनी ने सरकार से वित्तीय सहायता मिलने के बावजूद नकदी की कमी के कारण चालू वित्त वर्ष के बाद अपने अस्तित्व को लेकर आशंका जताई है। कंपनी ने कहा` कि इस बैठक में राइट्स इश्यू, सार्वजनिक निर्गम या निजी आवंटन के जरिये एक या एक से अधिक चरणों में कोष जुटाने के प्रस्तावों पर विचार और उनका मूल्यांकन किया जाएगा। इसके अलावा बैठक में ऋण बॉन्ड सहित किसी अन्य स्वीकार्य तरीके से कोष जुटाने के प्रस्ताव का भी मूल्यांकन किया जाएगा। बैठक में कोष जुटाने के प्रस्ताव पर शेयरधारकों की मंजूरी लेने के लिए असाधारण आम बैठक आयोजित करने पर भी फैसला होगा।

ब्रिटिश कंपनी बीएटी पीएलसी ने आईटीसी में 2.3 फीसदी हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली।

ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको (बीएटी) ने अपनी 2.3 प्रतिशत हिस्सेदारी 11,613 करोड़ रुपये (1.36 अरब डॉलर) में आईटीसी में बेच दी है। यह लेन-देन आईटीसी के स्टॉक मार्केट्स में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है। बीएटी के पास अपने सहयोगियों के साथ 25.44 फीसदी हिस्सेदारी थी, जो अब बेच दी गई है। इस सौदे से न्यूनतम मूल्य पर बीएटी ने 29 करोड़ आईटीसी शेयर बेचे। सूत्रों के मुताबिक विक्रेता और उसके सहयोगी छह महीने की लॉक-अप अवधि के बाद मुनाफा प्राप्त करेंगे। बीएटी के मुख्य कार्यकारी ने आईटीसी में दीर्घकालिक विकास की संभावना को देखते हुए इस लेन-देन का समझौता किया है। यह सौदे से उसे वित्तीय मजबूती प्राप्त होगी और उसके निवेश पर पूरी नज़र रखी जाएगी। बीएटी ने मार्च 2024 में भी आईटीसी में 3.5 फीसदी हिस्सेदारी बेची थी, लेकिन इस बार वह 2.3 फीसदी हिस्सेदारी बेच रही है।

भारत-अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते की संभावना 25 जून तक!

नई दिल्ली।

भारत और अमेरिका के 25 जून तक अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमत होने की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों से` मिली जानकारी के मुतो बिक व्यापार वार्ता के लिए अमेरिकी अधिकारियों का एक दल अगले महीने भारत आने वाला है। बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

भारत के मुख्य वार्ताकार एवं वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल ने पिछले सप्ताह अपनी चार दिवसीय वॉशिंगटन यात्रा पूरी की।

उन्होंने प्रस्तावित समझौते पर अपने अमेरिकी समकक्ष के साथ बातचीत की। अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 26 प्रतिशत शुल्क पर नौ जुलाई को खत्म होने वाली रोक से पहले दोनों पक्ष प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर अंतरिम सहमति बनाना चाहते हैं।

अमेरिका ने दो अप्रैल को भारत पर 26 प्रतिशत जवाबी शुल्क लगाया था लेकिन इसे नौ जुलाई तक निलंबित कर दिया।

हालांकि भारतीय सामान पर अब भी अमेरिका द्वारा लगाया गया 10 प्रतिशत मूल शुल्क लागू है। अंतरिम व्यापार समझौते में भारत घरेलू वस्तुओं पर 26 प्रतिशत जवाबी शुल्क से पूरी छूट देने का दबाव बना रहा है। दोनों देशों ने प्रस्तावित बीटीए के पहले चरण को पूरा करने के` लिए सितंबर-अक्टूबर तक की समय सीमा तय की है।

अमेरिका लगातार चौथे वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा।

दोनों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 131.84 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत, आयात में 6.22 प्रतिशत और देश के कुल वस्तु व्यापार में 10.73 प्रतिशत रही।

भारत-अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते की संभावना 25 जून तक!

नई दिल्ली।

भारत और अमेरिका के 25 जून तक अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमत होने की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुता बिक व्यापार वार्ता के लिए अमेरिकी अधिकारियों का एक दल अगले महीने भारत आने वाला है। बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है। भारत के मुख्य वार्ताकार एवं वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल ने पिछले सप्ताह अपनी चार दिवसीय वॉशिंगटन यात्रा पूरी की। उन्होंने प्रस्तावित समझौते पर अपने अमेरिकी समकक्ष के साथ बातचीत की। अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 26 प्रतिशत शुल्क पर नौ जुलाई को खत्म होने वाली रोक से पहले दोनों पक्ष प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर अंतरिम सहमति बनाना चाहते हैं। अमेरिका ने दो अप्रैल को भारत पर 26 प्रतिशत जवाबी शुल्क लगाया था लेकिन इसे नौ जुलाई तक निलंबित कर दिया। हालांकि भारतीय सामान पर अब भी अमेरिका द्वारा लगाया गया 10 प्रतिशत मूल शुल्क लागू है। अंतरिम व्यापार समझौते में भारत घरेलू वस्तुओं पर 26 प्रतिशत जवाबी शुल्क से पूरी छूट देने का दबाव बना रहा है। दोनों देशों ने प्रस्तावित बीटीए के पहले चरण को पूरा करने के लिए सितंबर-अक्टूबर तक की समय सीमा तय की है। अमेरिका लगातार चौथे वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। दोनों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 131.84 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत, आयात में 6.22 प्रतिशत और देश के कुल वस्तु व्यापार में 10.73 प्रतिशत रही।

भारत के डेटा सेंटर क्षेत्र में 20-25 अरब डॉलर के निवेश की संभावना- रिपोर्ट

नई दिल्ली।

भारत के डेटा सेंटर उद्योग में 2020 से अब तक करीब 15 अरब डॉलर का निवेश हुआ है। बताया जा रहा है कि मांग बढ़ने की वजह से अगले छह साल में इसमें 20-25 अरब डॉलर का निवेश हो सकता है। एक रियल एस्टेट सलाहकार की रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल 2025 तक भारत के सात प्रमुख शहरों में डेटा सेंटर की क्षमता 1,263 मेगावाट है और इसके 2030 तक 4,500 मेगावाट को पार कर जाने की संभावना है। इसमें कहा गया है कि पिछले पांच से छह वर्ष में भारतीय डेटा सेंटर उद्योग में वृद्धि के साथ-साथ प्रभावशाली निवेश भी हुआ है। 2020 में शुरुआत से ही उद्योग में 14.7 अरब अमरीकी डॉलर का निवेश हो चुका है। ये निवेश मुख्य रूप से भूमि अधिग्रहण, परियोजना निर्माण एवं विकास आदि पर केंद्रित रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार अगले पांच से छह वर्ष में भारत में क्लाउड कम्प्यूटेशन और कृत्रिम मेधा (एआई) को बड़े पैमाने पर अपनाने के बीच, डीसी (डेटा सेंटर) में 20-25 अरब अमरीकी डॉलर का निवेश आने की संभावना है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटीसी सहित दिग्गज कंपनियों के शेयरों में बिकवावी हावी रहने से आयी है। ये लगातार दूसरा दिन है जब बाजार में गिरावट आई है। गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 239.31 अंकों 0.29 फीसदी नीचे आकर 81,312.32 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 73.75 अंक तकरीबन 0.30 फीसदी नीचे आकर 24,752.45 अंकों पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 11 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए जबकि अन्य 25 कंपनियों के शेयर नीचे आये हैं। निफ्टी की केवल 16 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर रहे। वहीं अन्य सभी 34 कंपनियों के शेयर नीचे आये हैं। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल बजाज फाइनेंस के शेयर सबसे ज्यादा 1.05 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि आईटीसी के शेयरों में 3.13 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा एयरटेल व एनटीपीसी के शेयरों में भी हल्की गिरावट रही। सेंसेक्स में शामिल भारती एयरटेल के शेयर 0.58 फीसदी, एनटीपीसी 0.41 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 0.41 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.28 फीसदी, एसबीआई 0.27 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.15 फीसदी, इंफोसिस 0.14 फीसदी, एचसीएल टेक 0.09 फीसदी, लार्सन एंड टुब्रो 0.04 फीसदी और टीसीएस के शेयर 0.03 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए जबकि इंडसइंड बैंक के शेयर 1.92फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.80फीसदी, नेस्ले इंडिया 1.77फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.41फीसदी, पावरग्रिड 1.19फीसदी, एशियन पेंट्स 1.11फीसदी, सनफार्मा 1.01फीसदी, टेक महिंद्रा 0.95फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.91फीसदी, मारुति सुजुकी 0.83फीसदी, रिलायंस 0.62फीसदी, टाइटन 0.61फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.51फीसदी, टाटा स्टील 0.25फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.18फीसदी, एक्सिस बैंक 0.09फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.08फीसदी और एटरनल (जोमेटो) के शेयरों में 0.04फीसदी की गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह बाजार` गिरावट के साथ खुले। निफ्टी-50 24,832 अंक पर लगभग सपाट खुला। जबकि बीएसई सेंसेक्स 100 अंक से ज्यादा की गिरावट लेकर 81,457 पर खुला। वहीं एशियाई बाजारों में तेजी देखने को मिली। यह तेजी वॉल स्ट्रीट में बढ़त के चलते आई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से यूरोपीय संघ के आयात पर 50 फीसदी टैरिफ की समय सीमा को 9 जुलाई तक बढ़ाए जाने के बाद निवेशकों की धारणा में सुधार हुआ। निक्केई में 0.69 फीसदी की वृद्धि हुई। । कोस्पी में 1.42 फीसदी की वृद्धि हुई और एएसएक्स 200 में 0.4 फीसदी की वृद्धि हुई। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार अमेरिका में रात भर तीनों प्रमुख इंडेक्स मजबूती के साथ बंद हुए।

सोने का भाव 95,300 रुपए प्र ति 10 ग्राम, चांदी लगभग 98,000 रुपए

नई दिल्ली।

घरेलू बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत बुधवार के कारोबारी` दिन तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। घरेलू बाजार में सोने के भाव 95,300 रुपये, जबकि चांदी के भाव 98,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना नरमी,जबकि चांदी तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 144 रुपये की तेजी के साथ 95,287 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 95,143 रुपये था। इस समय यह 157 रुपये की तेजी के साथ 95,300 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 274 रुपये की तेजी के साथ 97,749 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 97,475 रुपये था। इस समय यह 506 रुपये की तेजी के साथ 97,981 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव में नरमी और चांदी के भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,300.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,300.40 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 3.20 डॉलर की गिरावट के साथ 3,297.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव पिछले महीने 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.38 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 33.31 डॉलर था। इस समय यह 0.10 डॉलर की तेजी के साथ 33.41 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

बेलराइज का शेयर बीएसई और एनएसई पर 11 फीसदी तेजी के साथ सूचीबद्ध

बीएसई पर शेयर ने भी 9.44 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 98.50 रुपये पर कारोबार शुरू किया

नई दिल्ली।

मोटर वाहन कलपुर्जा विनिर्माता कंपनी बेलराइज इंडस्ट्रीज ने बुधवार को अपना शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करा दिया। इसके निर्गम मूल्य में 11 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई, जिससे शेयर 103.20 रुपये को पार करने में कामयाब हुआ। बीएसई पर शेयर ने भी 9.44 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 98.50 रुपये पर कारोबार की शुरुआत की। एनएसई पर शेयर 11.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 100 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 8,262.53 करोड़ रुपये रहा। बेलराइज इंडस्ट्रीज भारत में मोटर वाहन घटक विनिर्माण कंपनी है जो विविध प्रकार के वाहनों के लिए इंजीनियरिंग समाधान पेश करती है। कंपनी ने हाल ही में 2,150 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए आईपीओ आयोजित किया था। इस उछाल में बेलराइज इंडस्ट्रीज को बोली के आखिरी दिन गत शुक्रवार को 41.30 गुना अभिदान प्राप्त हुआ था। कंपनी ने शेयर का वित्तीय दायरा 85-90 रुपये प्रति शेयर तय किया था, जिसे सफलतापूर्णता के साथ उच्चतम स्तर पर पहुंचाया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा- विदेशी सामानों का इस्तेमाल करना बंद करें

विदेशी सामानों से कितना भी मुनाफा क्यों न हो, कोई भी विदेश चीज नहीं बेचें

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के गांधीनगर में एक कार्यक्रम में उन्होंने देश के 140 करोड़ नागरिकों से बड़ी अपील करते हुए विदेशी सामानों पर निर्भरता खत्म करने के लिए कहा। बिना नाम लिए पीएम मोदी ने चीन पर निशाना साधा, ये ऐसे ही नहीं है, खिलौनों समेत कई ऐसे चीनी सामान हैं, जिनके लिए भारत एक बड़ा बाजार है। खासतौर पर` खिलौनों की बात करें तो काफी हद तक भारत इसमें आत्मनिर्भर बना है और दुनिया को निर्यात कर रहा है।

पीएम मोदी ने कहा 2047 तक विकसित भारत बनाने और अर्थव्यवस्था को चौथे से तीसरे पायदान पर लाने के लिए विदेशी सामानों के बहिष्कार जरूरी है। अब हम कोई विदेशी चीज का इस्तेमाल नहीं करेंगे, इसके लिए हमें गांव-गांव में भी व्यापारियों को शपथ दिलवानी होगी कि विदेशी सामानों से कितना भी मुनाफा क्यों न हो, कोई भी विदेश चीज नहीं बेचें। हाल के वर्षों में भारत के खिलौना निर्यात में काफी तरक्की की है और इस सेक्टर में ग्लोबल हब बनता जा रहा है।

साल 2017 से पहले भारतीय खिलौना उद्योग चीन पर काफी निर्भर था, जहां लगभग 90 फीसदी खिलौने चीन से आयात किए जाते थे, लेकिन आज भारत के खिलौना आयात में भारी कमी आई है और अमेरिका जैसे बड़े देशों में भारतीय खिलौनों की डिमांड बढ़ी है और भारत का निर्यात भी बढ़ा है, लेकिन इसके बावजूद अभी भी भारतीय बाजार चाइनीज` खिलौनों के लिए बड़ा बाजार बना हुआ है। अगर ये बाजार टूटा तो चीन को बड़ा नुकसान होगा। भारत के खिलौना आयात में चीन की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2013 में करीब 90 फीसदी से घटकर वित्त वर्ष 2024 में महज 60 फीसदी से भी कम रह गई है, जैसा कि चीन से खिलौनों के लिए देश के घटते आयात बिल से पता चलता है, जो क्रमशः 214 मिलियन डॉलर से 41.6 मिलियन डॉलर हो गया है।

भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, फिर भी कई चुनौतियां

सामाजिक और मानवीय विकास के मानकों पर अब भी जापान से बहुत पीछे

नई दिल्ली।

भारत 2025 के आखिर तक जापान को पछाड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। यह आकलन नीति आयोग के सदस्य अरविंद विरमानी और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने किया है। आईएमएफ के मुताबिक भारत की अर्थव्यवस्था 2025 तक 4.19 ट्रिलियन डॉलर हो सकती है, जिससे वह जापान को पछाड़कर आगे निकल जाएगा। यह उपलब्धि निस्संदेह भारत की आर्थिक प्रगति, विदेशी निवेश के प्रति आकर्षण और नीतिगत सुधारों का नतीजा है, लेकिन यह तस्वीर पूरी तरह से गुलाबी नहीं है। कई सामाजिक और मानवीय विकास के मानकों पर भारत अभी भी जापान से बहुत पीछे है।

जैसे प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत जापान से 12 गुना पीछे है। जापान में जहां प्रति व्यक्ति आय 33,000 डॉलर से ज्यादा है, वहीं भारत में यह 2025 तक 2,900 डॉलर के करीब रहने का अनुमान है। जीवन प्रत्याशा में भी बड़ा अंतर है। भारत में औसत आयु करीब 70 साल है, जबकि जापान में यह 85 साल के आसपास है। इसका प्रमुख कारण बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और मजबूत सामाजिक सुरक्षा प्रणाली है। शिक्षा के क्षेत्र में भारत की साक्षरता दर 77.7 फीसदी है, जबकि जापान करीब 100 फीसदी साक्षरता दर के साथ तकनीकी शिक्षा में दुनिया में सबसे आगे है। भारत में बेरोजगारी दर करीब 6 फीसदी है और 90 फीसदी लोग असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं। इसके उलट जापान की बेरोजगारी दर मात्र 2.5 फीसदी है। मैन्युफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी में भी भारत जापान से बहुत पीछे और उसे अभी लंबा सफर तय करना है। जापान जीडीपी का 3.3 फीसदी अनुसंधान पर खर्च करता है जबकि भारत केवल 0.7 फीसदी करता है।

फॉक्सवैगन गोल्फ जीटीआई एमके 8.5 लॉन्च

नई दिल्ली।

भारत में फॉक्सवैगन कंपनी ने फॉक्सवैगन गोल्फ जीटीआई एमके 8.5 को लॉन्च कर दिया है। ये कार अब फॉक्सवैगन कंपनी की देश में सबसे महंगी कार बन गई है। इसके फ्रंट में मैट्रिक्स एलईडी हेडलाइट्स दी हुई हैं। इसे 53 लाख रुपए की एक्स शोरूम कीमत पर लॉन्च किया। बम्पर को स्टैंडर्ड गोल्फ की तुलना में थोड़ा स्पोर्टी डिजाइन दिया गया है। इसके दोनों ओर एक्स-शेप की एलईडी फॉग लाइट दी गई है। नोज पर एक स्लीक लाल पट्टी चलती है, और ग्रिल पर एक जीटीआई की बैजिंग दी गई है। इस कार में कंपनी ने 2.0 लीटर की क्षमता का फोर सिलेंडर, टर्बो-पेट्रोल इंजन का इस्तेमाल किया है। जो 265 एचपी की पावर और 370एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। इस हैचबैक कार के इंजन को 7-स्पीड डुअल-क्लच ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन गियरबॉक्स से जोड़ा गया है। कंपनी का दावा है कि ये कार महज 5.9 सेकेंड में 0 से 100 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार पकड़ लेगी।फॉक्सवैगन की इस हैचबैक कार में कंपनी ने 18-इंच के डुअल-टोन अलॉय व्हील्स दिए हैं। इसमें रेड ब्रेक कैलीपर्स भी दिए गए हैं जो इसे स्पोर्टी टच देते हैं। इसमें डिस्प्ले पेयर में 12.9-इंच टचस्क्रीन और 10.25-इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है। इसमें सनरूफ, वायरलेस चार्जर, थ्री-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल, पैडल शिफ्टर्स, 30-कलर एम्बिएंट लाइटिंग और हीटेड फ्रंट सीट्स जैसी सुविधा भी मिलती है। कंपनी ने इस कार को कुल चार कलर ऑप्शन में पेश किया है। जिसमें ग्रेनेडिला ब्लैक, किंग्स रेड, मूनस्टोन ग्रे और ओरिक्स व्हाइट शामिल हैं। फॉक्सवैगन गोल्फ जीआईटी एमके 8.5 में 7 एयरबैग, एक रियर-व्यू कैमरा, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, और लेवल-2 एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम जैसे सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं। जिसमें ऑटो इमरजेंसी ब्रेकिंग, लेन-चेंज असिस्ट और रियर ट्रैफिक अलर्ट जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

आधार कार्ड खोने पर चिंतित न हो, फिर से प्राप्त करने का है आसान तरीका

यूआईडीएआई की वेबसाइट पर जाएं और रीट्रीव यूआईडी/ईआईडी विकल्प का उपयोग करें

नई दिल्ली।

वर्तमान समय में आधार कार्ड हमारी पहचान का मुख्य दस्तावेज बन चुका है। यदि आपका आधार कार्ड खो जाए, तो यह एक चिंता का विषय हो सकता है लेकिन अब आपको फिकर करने की आवश्यकता नहीं है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आपके लिए आसान तरीकों की एक श्रृंखला उपलब्ध कराई है जिससे आप अपने आधार नंबर को पुनः प्राप्त कर सकते हैं। अगर आपका मोबाइल नंबर आधार से लिंक है, तो ऑनलाइन आधार नंबर पुनर्प्राप्त करने के लिए यूआईडीएआई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं और रीट्रीव यूआईडी/ईआईडी विकल्प का उपयोग करें। पूरी जानकारी भरें, कैप्चा कोड डालें और ओटीपी के जरिए सत्यापन करें। आपको एसएमएस के माध्यम से आधार नंबर प्राप्त होगा। यदि आपका मोबाइल नंबर आधार से लिंक नहीं है, तो निकटतम आधार नामांकन/अपडेट सेंटर जाकर अपनी जानकारी दें और बायोमेट्रिक सत्यापन कराएं। अगर आपका आधार लेटर भी खो गया है, तो भी आप आधार नामांकन केंद्र में जाकर अपने आधार नंबर या ईआइडी दर्ज करें और बायोमेट्रिक सत्यापन करवाएं। यूआईडीएआई की मदद से आप अपने आधार कार्ड की कलपना भी अनुप्रयोगी प्रारूप में डाउनलोड कर सकते हैं और इसे प्रिंट भी कर सकते हैं। इसके लिए आपको केवल एक छोटा सा शुल्क देना होगा। इस प्रकार यूआईडीएआई के सुझाए गए तरीकों से आप अपने खोए हुए आधार नंबर को आसानी से पुनः प्राप्त कर सकते हैं और अपनी जीवन की निरंतर प्रक्रियाओं को आसान बना सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल के पहले क्वालीफायर में जीत के साथ फाइनल में जगह बनाने उतरेंगी आरसीबी और पंजाब किंग्स

मुलांपुर (एजेंसी)। आईपीएल के पहले क्वालीफायर में गुरुवार को पंजाब किंग्स का मुकाबला अपने घरेलू मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। ये दोनो ही टीमें अंक तालिका में शीर्ष दो में रहीं हैं। ऐसे में इनके पास इस मैच के बाद भी खिताबी मुकाबले में जगह बनाने के लिए अवसर है। इसको देखते हुए दोनो ही टीमें निडर होकर मुकाबले में उतरेंगी। दोनो ही टीमों के 19-19 अंक हैं पर रन रेट बेहतर होने के कारण पंजाब पहले जबकि आरसीबी दूसरे स्थान पर है। दोनो ही टीमों ने इस सत्र की शुरुआत से ही काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में दोनो ही जीत की प्रबल दावेदार हैं।

पंजाब किंग्स की टीम करीब एक दशके बाद प्लेऑफ में पहुंची है। इससे पहले वह साल 2014 में प्लेऑफ में पहुंची थी। ऐसे में उसका लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर खिताब जीतना रहेगा। उसके कप्तान श्रेय अय्यर और कोच रिकी पोंटिंग काफी अनुभवी हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। वहीं दूसरी ओर आरसीब की टीम क'बार नॉकआउट चरण हारी है, इसलिए उसका लक्ष्य इस बार खिताब के सूखे को समाप्त करना रहेगा। उसके पास विराट कोहली जैसा अनुभीव खिलाड़ी है जिसका लाभ उसे मिलेगा। अंतिम लीग मैच में उसने लखनऊ सुपरजायंस के खिलाफ मैच में 228 रनों का लक्ष्य भी आसानी से हासिल कर लिया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी अच्छी है।

वहीं श्रेयस अपना लगातार दूसरा खिताब जीतना चाहेंगे। पिछले सत्र में उन्होंने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को फाइनल में जीत दिलायी थी। इस बार नये कोच रिकी पोंटिंग के साथ मिलकर श्रेयस ने पंजाब टीम को बदलकर रख दिया है। टीम ने लीग चरण में शुरू से लेकर आखिर तक अच्छा प्रदर्शन किया है। कोच और कप्तान खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लेने में सफल रहे। प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य की सलामी जोड़ी ने अय्यर और जोश इंगलिस जैसे खिलाड़ियों के लिए रन बनाना आसान कर दिया है। वहीं फिनिशर शशांक सिंह भी अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभा रहे हैं। मार्कस स्टोइनिस ने भी बल्लेबाजी में अच्छा योगदान दिया है। पंजाब की कमजोरी केवल गेंदबाजी विभाग है। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मार्को यानसन की स्वदेश वापसी के बाद टीम का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर हुआ है। यानसन ने पावरप्ले और डेथ ओवरों में अच्छे ओवर फेंके हैं। ऐसे में टीम को उनकी कमी

खलेगी। काइल जैमीसन भी अब तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं हालांकि टीम के मुख्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरजई को यानसन की जगह शामिल किया जा सकता है। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल उंगली की चोट के कारण पिछले दो मैचों में नहीं खेल पाए थे। वह इस अहम मैच से वापसी कर सकते हैं। अपनी फ्रेंचाइजी के लिए लंबे समय से बेहतरीन तेज गेंदबाज रहे हैं और उन्होंने खेल के सभी चरणों में अच्छा प्रदर्शन किया है।

दूसरी ओर आरसीबी की टीम को तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की वापसी से राहत मिली है। हेजलवुड का प्रदर्शन इस सत्र में काफी अच्छा रहा है। हेजलवुड के अलावा टिम डेविड भी टीम में हैं जिसका भी लाभ आरसीबी को मिलेगा। आरसीबी के कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने अंतिम लीग मैच में जबरदस्त पारी खेली थी। जिसे अब वह दोहराना चाहेंगे। रजत पाटीदार के चोटिल होने के कारण जितेश टीम की कप्तानी कर रहे है।

टीम के पास फिल साल्ट जैसा आक्रामक बल्लेबजा है जिसपर अंकुश लगाना पंजाब के लिए आसान नहीं होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स - श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), नेहल वढेरा, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, मार्को जानसन, हरप्रीत बराड़, काइल जैमीसन, विजयकुमार विशक, अर्शदीप सिंह

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु - जितेश शर्मा (कप्तान और विकेटकीपर), फिलिप साल्ट, विराट कोहली, मयंक अग्रवाल, लियाम लिविंगस्टोन, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, यश दयाल, नुवान तुषारा, सुयश शर्मा।

यहां इस बार खेले गए चार मैचों की पहली पारी में केवल एक बार 200 रन बने हैं पर पंजाब किंग्स की टीम को यहां घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। वहीं आरसीब ने इस बार दूसरे मैदानों मे सबसे अधिक मैच जीत हैं जिससे उसका भी आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। दोनो ही टीमों का लक्ष्य जीत से फाइनल में जगह बनाना रहेगा हालांकि इस मैच में हारने वाली टीम को एक ओर अवसर मिलेगा। वह दूसरे क्वालीफायर की विजेता से खेलेगी।

सात्विक-चिराग की जीत से वापसी, लक्ष्य चोटिल होने के कारण बाहर

सिंगापुर (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी ने बुधवार को यहां सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत के साथ वापसी की जबकि लक्ष्य सेन को निराशा हाथ लगी और उन्हें चोटिल होने के कारण शुरुआती दौर के मुकाबले के बीच में ही मैच छोड़ना पड़ा।

चिराग की पीठ की चोट के कारण मार्च में ऑल इंग्लैंड ओपन से हटने के बाद यह जोड़ी पहली बार कोर्ट पर उतरी थी लेकिन उन्होंने शानदार खेल का प्रदर्शन किया तथा मलेशिया के चूंग होन जियान और मुहम्मद हाइकाल को केवल 40 मिनट के अंदर 21-16, 21-13 से हराया। यह 41वीं रैंकिंग वाली मलेशियाई जोड़ी पर सात्विक और चिराग की दूसरी जीत थी।

भारतीय जोड़ी वर्तमान में विश्व में 27वें स्थान पर है। इस महीने की शुरुआत में यह जोड़ी सुदीरमन कप में भी नहीं खेली थी, क्योंकि सात्विक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। इससे पहले वे इस सत्र में मलेशिया ओपन और इंडिया ओपन दोनों में सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

भारत के नंबर एक एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन को चीनी ताइपे के लिन चुन-यी के खिलाफ अपने पहले दौर के मुकाबले के दौरान चोट के कारण बाहर होना पड़ा। वर्तमान में विश्व में 17वें स्थान पर काबिज सेन ने अच्छी शुरुआत की और पहला गेम 21-15 से जीता। लेकिन विश्व में 19वें नंबर के लिन ने वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-17 से जीतकर स्कोर बराबर कर दिया।

निर्णायक गेम में सेन चोट के कारण रिटायर होने से पहले 5-13 से पीछे चल रहे थे। सेन की चोट की वास्तविक प्रकृति के बारे में पता नहीं चल पाया है। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और रूथविका शिवानी गड्डे ने चेन झी यी और फ्रांसेस्का कॉर्बेट की अमेरिकी जोड़ी को 35 मिनट में 21-16, 21-19 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। महिला एकल में आकर्षि कश्यप विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी चीन की हान यू से 58 मिनट तक चले मुकाबले में 21-17, 13-21, 7-21 से हार गईं।

जितेश की पारी आईपीएल के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है : टॉम मूडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी टॉम मूडी ने कहा कि मंगलवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ जितेश शर्मा की असाधारण पारी इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है।

कार्यवाहक कप्तान जितेश ने 33 गेंदों पर नाबाद 85 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल के पहले क्वालीफायर में पहुंचा दिया। जब विराट कोहली का विकेट गिरने के बाद जितेश क्रीज पर आए, तब आरसीबी को 228 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 52 गेंदों पर 105 रन की जरूरत थी। जितेश ने इससे पहले वर्तमान सत्र में कोई अर्धशतक नहीं लगाया था लेकिन उन्होंने महत्वपूर्ण मौके पर आकर्षक पारी खेली। मूडी ने कहा, 'मेरे लिए यह पारी आईपीएल के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है। हमने युवा और अनुभवी खिलाड़ियों की कुछ बेहतरीन पारियां देखी हैं, लेकिन यह पारी वाकई उल्लेखनीय है।' उन्होंने कहा, 'परिस्थितियां पूरी तरह से प्रतिकूल थी लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया और मैच का पासा पलट दिया। उन्होंने पूरी चतुराई से बल्लेबाजी की। वह जिस तरह से खेल रहे थे उसे देखकर लग रहा था कि वह इससे पहले भी कई बार ऐसा कर चुके हैं।'

पंत की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं था: जहीर खान

लखनऊ (एजेंसी)। ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र में भले ही अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटोर (मार्गदर्शक) जहीर खान ने कहा है कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं रहा। मेगा नीलामी में 27 करोड़ रुपए की भारी भरकम कीमत पर खरीदे गए पंत ने 13 पारियों में सिर्फ 269 रन बनाए।

उन्होंने टीम के सत्र के आखिरी मैच में 61 गेंदों पर 118 रन बनाए लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार का सामना करना पड़ा। जहीर ने मैच के बाद कहा, 'उन्होंने कप्तान के रूप में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। यह पूरे सत्र में हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा। बल्ले से उनका प्रदर्शन निश्चित रूप से उनके लिए सीखने वाला अनुभव रहा, क्योंकि इस तरह का सत्र उनके लिए काफी महत्वपूर्ण था।' उन्होंने कहा, 'लेकिन उनकी योग्यता और क्षमता पर किसी को कोई संदेह नहीं था।'

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि इस

आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज को शानदार प्रदर्शन करते हुए सत्र का अंत करते देखना अच्छा लगा। जहीर ने कहा, 'हमें खुशी है कि उन्होंने बहुत अच्छे प्रदर्शन के साथ सत्र का समापन किया। उनकी क्षमता ऐसी है और वे खेल पर बहुत प्रभाव डाल सकते हैं।'

लखनऊ के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा तथा वह छह जीत और आठ हार के साथ सातवें स्थान पर रहा। प्रमुख गेंदबाजों की चोटों के कारण उसकी लय और निरंतरता बाधित हुई। जहीर ने कहा, 'जब आप आईपीएल सत्र की शुरुआत करते हैं, तो आपका पहला लक्ष्य प्लेऑफ के बारे में सोचना होता है, कि आप वहां कैसे पहुंचेंगे। हमारे कुछ मुख्य गेंदबाज चोटिल होने के कारण बाहर हो गए थे और हमने इन चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी तरफ से अच्छे प्रयास किये। हमारे बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया और यह हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा।'

भारत ने अर्जेंटीना को पेनल्टी शूटआउट में हराया

रोसारियो (अर्जेंटीना)। गोलकीपर और कप्तान निधि ने लगातार चार गोल बचाए जिससे भारत ने चार देशों के जूनियर महिला हॉकी टूर्नामेंट में मेजबान अर्जेंटीना को मैच 1-1 से बराबर छूटने के बाद पेनल्टी शूटआउट में 2-0 से हराया। कनिका (44वें मिनट) ने निर्धारित समय में भारत के लिए एकमात्र गोल किया, जबकि लालरिनपुई और लालथंतलुआंगी ने शूटआउट में गोल करके टूर्नामेंट के अपने तीसरे मैच में भारत को जीत दिलाई। अर्जेंटीना ने अच्छी शुरुआत की। मिलग्रोस डेल वैले (10वें मिनट) ने घरेलू टीम को पहले क्वार्टर में बढ़त दिलाई जबकि भारत ने तीसरे क्वार्टर में कनिका के गोल से स्कोर बराबर किया। भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को चिली से होगा।

धोनी के साये में विकसित नहीं हो पा रहे सीएसके के नये कप्तान : बांगर

मुम्बई(। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर ने आरोप लगाया है कि कि महेन्द्र सिंह धोनी के कारण चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में कोई नया नेतृत्व नहीं उभर रहा है। बांगर के अनुसार धोनी के साये में पहले रविंद्र जडेजा धोनी और उसके बाद रुतुराज गायकवाड़ कप्तान के तौर पर विकसित नहीं हो पाए। बांगर ने कहा है कि धोनी की मौजूदगी से अन्य खिलाड़ियों में स्वाभाविक नेतृत्व क्षमता विकसित इसलिए नहीं हो पा रही है क्योंकि अन्य खिलाड़ी धोनी की नकल करने लगते हैं। उन्होंने कहा कि रुतुराज और जडेजा धोनी के साए में हुए अपनी सोच विकसित नहीं कर पाये। ये दोनो ही धोनी की मानसिकता की नकल करते करने के कारण आगे नहीं बढ़ पा रहे। बांगर की ये बात काफी हद तक सही भी नजर आत है जब भी सीएसके प्रबंधन ने अपनी टीम में नए नेतृत्वकर्ता को आगे किया है वह धोनी के भरोसे काम करने लगता है। इसी कारण सीएसके पिछले दो सत्र से असफल हो रही है। सीएसके पहले कभी नौवें स्थान से नीचे नहीं रही, लेकिन आईपीएल 2025 में हर टीम से वह पीछे हो गयी। सीएसके के लिए एकमात्र सकारात्मक पक्ष युवा खिलाड़ियों, डेवाल्ड ब्रेविस और आयुष म्हात्रे का अच्छा प्रदर्शन रहा है।

गौतम गंभीर ने मानी रोहित शर्मा की ये बात, इस शख्स की टीम में कराई वापसी

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2025 खत्म होने के बाद टीम इंडिया इंग्लैंड का दौरा करेगी। जहां उसे 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस सीरीज से पहले टीम इंडिया में एक अहम शख्स की एंट्री हुई है। इस शख्स का नाम है टी दिलीप जो कि भारतीय क्रिकेट टीम के फील्डिंग कोच हैं। टी दिलीप का कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया था और टीम इंडिया से अलग हो गए थे लेकिन अब एक बार फिर वो टीम से जुड़ गए हैं। वो अगले एक साल तक भारतीय टीम के साथ रहेंगे। बता दें कि, टी दिलीप का सेलेक्शन रोहित शर्मा के कारण हुआ है। रोहित शर्मा ने टी दिलीप के सेलेक्शन के लिए हेड कोच गौतम गंभीर से बातचीत की।

दरअसल, क्रिकबज की एक रिपोर्ट

के अनुसार रोहित शर्मा ने बीसीसीआई और हेड कोच गौतम गंभीर से निजी तौर पर बातचीत की और टी दिलीप को टीम इंडिया से जुड़वाया। रोहित शर्मा ने टेस्ट से रिटायरमेंट लेने से पहले बीसीसीआई और गंभीर से बातचीत कर उन्हें मनाया कि टी दिलीप को दोबारा फील्डिंग कोच बनाया जाए। मंगलवार को इस तरह की खबरें आई थी कि बोर्ड को टी दिलीप का कोई रिप्लेसमेंट नहीं मिला इसलिए उन्हें दोबारा फील्डिंग कोच बना दिया है। टी दिलीप को अप्रैल में अभिषेक नायर के साथ टीम इंडिया से बाहर कर दिया था। अब टी दिलीप एक साल तक भारतीय टीम के साथ रहेंगे।

टी दिलीप पिछले तीन सालों से भारतीय टीम के साथ हैं। उन्हें पहली बार साल 2021 में टीम इंडिया से जोड़ा गया था। वो भारतीय खिलाड़ियों के काफी करीब भी हैं। इसलिए इंग्लैंड जैसी बड़ी सीरीज के लिए उन्हें दोबारा टीम में रखना अच्छी बात है।

भारत से हार के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ी ने खोया आपा, किया अभद्र व्यवहार

स्पोर्ट्स डेस्क। अंडर-16 डेविस कप में भारत से हार के बाद पाकिस्तान के खिलाड़ी का गैर खेल-भावना वाला व्यवहार आक्रोश का कारण बन रहा है। मैच के तीन दिन बाद सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो सामने आया है। भारत ने कजाकिस्तान के श्यामकेंट में एशिया-ओशिनिया जूनियर डेविस कप (अंडर-16) टूर्नामेंट में 11वें स्थान के प्लेऑफ मैच में पाकिस्तान को 2-0 से हरा दिया। प्रकाश सरन और तवीश पाहवा ने अपने एकल मैचों में सीधे सेटों में जीत हासिल की, जिससे भारत फाइनल स्टैंडिंग में अपनी जगह पक्की की। मैच के बाद खिलाड़ी हाथ मिलाने के लिए आगे आते हैं और इस दौरान पाकिस्तान खिलाड़ी हाथ को खींच कर तेजी से भारतीय खिलाड़ी के हाथ पर मारने की कोशिश करता है। एक बार चूकने के बाद वह दूसरी बार प्रयास करता है और इसमें सफल भी होता है। इसके बाद रैफरी द्वारा उसे बुलाया भी जाता है। इस कदम की व्यापक रूप से निंदा की गई और इसे अपमानजनक और खेल की भावना के खिलाफ बताया गया। भारत की पाकिस्तान पर जीत 9वें-12वें स्थान के प्लेऑफ में न्यूजीलैंड से 1-2 से मामूली हार के बाद हुई, जहां भारतीय जोड़ी ने युगल रबर में तनावपूर्ण सुपर टाई-ब्रेक (9-11) खो दिया।

श्रेयस अय्यर को क्यों नहीं चुना? गौतम गंभीर ने दिया 4 शब्दों में जवाब

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बुधवार को श्रेयस अय्यर के इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम से बाहर होने पर सवालों को टाल दिया, लेकिन उन्होंने बीसीसीआई की तारीफ की, जिन्होंने देश के सशस्त्र बलों के प्रमुखों को 3 जून को अहमदाबाद में होने वाले आईपीएल फाइनल में आमंत्रित किया है। अय्यर, जो शानदार फॉर्म में हैं, को 20 जून से लीड्स में शुरू होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम में जगह नहीं मिली। भारत की कप्तानी युवा शुभमन गिल करेंगे, जबकि ऋषभ पंत उनके डिप्टी होंगे। अय्यर के बारे में पूछे जाने पर, जिन्होंने पंजाब किंग्स को आईपीएल प्ले-ऑफ में पहुंचाया, गंभीर का संक्षिप्त जवाब था कि मैं चयनकर्ता नहीं हूं। पूर्व बीजेपी सांसद गंभीर ने बीसीसीआई की उस पहल की जमकर तारीफ की, जिसमें सशस्त्र बलों के तीनों प्रमुखों को आईपीएल फाइनल में आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह एक अविश्वसनीय कदम है। हम अक्सर बीसीसीआई की कई बातों पर आलोचना करते हैं, लेकिन यह कुछ ऐसा है जो अविश्वसनीय है। बीसीसीआई ने यह पहल की है कि पूरा राष्ट्र एक है और पूरे राष्ट्र को सशस्त्र बलों को उनके बिना शर्त योगदान के लिए सलाम करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि बीसीसीआई ने ऐसा कदम उठाकर बहुत सम्मान अर्जित किया है और सबसे महत्वपूर्ण यह है कि हमारे सशस्त्र बल, जो बिना शर्त हमारी मदद करते हैं, हमें बचाते हैं और हमारी रक्षा करते हैं, उन्हें इसका श्रेय जाता है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी थल सेना प्रमुख हैं, एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी नौसेना प्रमुख हैं, और एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह वायु सेना प्रमुख हैं।

भारत के खिलाफ श्रृंखला में होगी क्रॉली और पोप की असली परीक्षा : ज्योफी बॉयकॉट

लंदन-अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज ज्योफी बॉयकॉट इस बात से सहमत नहीं हैं कि जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक बनाने के बावजूद इंग्लैंड के जैक क्रॉली और ओली पोप अपनी 'तकनीकी और मानसिक समस्याओं' से उबर चुके हैं और उनका मानना है कि उन्हें असली चुनौती अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में मिलेगी। क्रॉली के लिए पिछले कुछ महीने काफी कठिन रहे हैं। न्यूजीलैंड में वे संघर्ष करते रहे, जहां उनका औसत 9 से कम रहा और वे सभी छह पारियों में मैट हेनरी के हाथों आउट हुए। पोप के लिए भी 2024 उतार-चढ़ाव भरा रहा। हैदराबाद में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में 196 रन की शानदार पारी खेलने के बाद उनके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा। बॉयकॉट ने डेली टेलीग्राफ में अपने कॉलम में लिखा, 'हम अभी इस नतीजे पर नहीं पहुंच सकते हैं कि क्रॉली और पोप ने अपनी तकनीकी और मानसिक समस्याओं को सुलझा लिया है, जो उनके करियर को प्रभावित कर रही थीं, क्योंकि जिम्बाब्वे की गेंदबाजी बहुत औसत दर्जे की थी।' इंग्लैंड के शीर्ष तीन बल्लेबाजों क्रॉली, बेन डकेट और पोप ने शतक लगाए, जिससे मेजबान टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अपनी पारी छह विकेट पर 565 रन बनाकर समाप्त घोषित की। इंग्लैंड ने यह एकमात्र टेस्ट मैच पारी और 45 रन से जीता था। बॉयकॉट ने कहा, 'वे मध्यम गति के गेंदबाज थे, जो क्रॉली और पोप की बल्लेबाजी में किसी भी तरह की खामी को उजागर करने के लिए पर्याप्त अच्छे नहीं थे। हमें भारत के खिलाफ श्रृंखला तक इंतजार करना होगा, ताकि यह देखा जा सके कि बेहतर गेंदबाजों के खिलाफ वास्तव में कोई सुधार हुआ है या नहीं। यह उनके लिए असली परीक्षा होगी और इससे हम बेहतर आकलन कर सकते हैं कि वह अभी किस स्थिति में हैं।' भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला का पहला मैच 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। इंग्लैंड को इसके बाद एशेज श्रृंखला खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है जिसका पहला मैच 21 नवंबर को शुरू होगा।

इंग्लैंड का टेस्ट दौरा भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है : पुजारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी शीर्ष क्रम बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि इंग्लैंड का आगामी 5 मैचों का टेस्ट दौरा भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। उन्होंने 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होने वाली श्रृंखला के लिए चुने गए युवा खिलाड़ियों के समूह का हवाला दिया। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद टेस्ट खेलने के नए युग में कदम रखने के लिए भारत के पास क्रमशः शुभमन गिल और ऋषभ पंत के रूप में एक नया कप्तान और उप-कप्तान है। ऐतिहासिक रूप से, भारत ने इंग्लैंड में 19 में से केवल तीन श्रृंखलाएं जीती हैं जिसमें आखिरी बार 2007 में राहुल द्रविड़ ने टीम की कप्तानी की थी।

उन्होंने कहा, 'भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज हमेशा से ही टीम के धैर्य और अनुकूलनशीलता का सही माप रही है। पिछले 100 वर्षों में भारत ने इंग्लैंड की धरती पर खेली गई 19 सीरीज में से केवल 3 में ही जीत हासिल की है, जो इस बात पर प्रकाश डालता है कि यह प्रतियोगिता हमारे लिए कितनी चुनौतीपूर्ण रही है। एक युवा और गतिशील टीम के साथ, यह दौरा भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ का प्रतिनिधित्व करता है। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि यह समूह किस तरह से इस अवसर पर आगे बढ़ता है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए नए मानक स्थापित करता है।'

एजबेस्टन, लॉर्ड्स, ओल्ड ट्रैफर्ड और द ओवल भारत-इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला के शेष खेलों के लिए अन्य स्थल हैं। बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला भारत के लिए एक नए आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की शुरुआत भी करती है। भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर इरफान पठान ने गिल की अगुवाई वाली टीम का समर्थन किया है कि वह इंग्लैंड दौरे पर मिलने वाली कड़ी चुनौतियों का सामना करेगी। पठान को प्रसारकों के कवरेज के लिए पैनलिस्ट के रूप में देखा जाएगा, जिनकी टेस्ट श्रृंखला के लिए अभियान की टैगलाइन 'ग्राउंड तुम्हारा, जीत हमारी' है।

पठान ने कहा, 'नई पीढ़ी के आगे आने के साथ, टीम इंडिया न केवल विरासत को आगे बढ़ा रही है, वे हमारे क्रिकेट इतिहास में एक नया अध्याय लिख रहे हैं। ग्राउंड तुम्हारा, जीत हमारी, इस टीम के निडर रवैये और लचीलेपन को पूरी तरह से दर्शाता है। मुझे विश्वास है कि इस टीम में सबसे

कठिन चुनौतियों का सामना करने और देश भर में प्रशंसकों की एक नई लहर को प्रेरित करने की प्रतिभा और दृढ़ संकल्प है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोणार्क, ओडिशा राज्य का एक प्रमुख शहर है, जो अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यह शहर खासकर अपने प्रसिद्ध कोणार्क सूर्य मंदिर के लिए जाना जाता है, जो यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है। कोणार्क न केवल अपने मंदिरों और वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति भी पर्यटकों को आकर्षित करती है।

यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय

कोणार्क यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है, जब मौसम ठंडा और सुखद रहता है। गर्मियों में यहाँ का तापमान बढ़ सकता है, जिससे यात्रा में असुविधा हो सकती है।

कोणार्क एक अद्भुत ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल है, जो अपनी प्राचीन वास्तुकला, सूर्य मंदिर और समुद्र तट के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ की शांति, प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर पर्यटकों को आकर्षित करती है। अगर आप भारतीय इतिहास, संस्कृति और वास्तुकला के प्रति रुचि रखते हैं, तो कोणार्क एक अवश्य देखे जाने योग्य स्थान है। यह जगह हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है।

कोणार्क की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति पर्यटकों को करती है आकर्षित

कोणार्क सूर्य मंदिर : स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण

कोणार्क का प्रमुख आकर्षण है कोणार्क सूर्य मंदिर। यह मंदिर भगवान सूर्य को समर्पित है और 13वीं शताब्दी में राजा नरसिंहदेवद्व द्वारा बनवाया गया था। यह मंदिर अपनी विशाल और अद्भुत वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर की संरचना एक विशाल रथ (रथ का रूप) की तरह बनाई गई है, जो सूर्य देवता की यात्रा को दर्शाता है। इसके चार पहिये और घोड़े की मूर्तियाँ अत्यधिक बारीकी से बनायी गई हैं।

कोणार्क सूर्य मंदिर के दीवारों पर उकेरी गई चित्रकला और शिल्पकला भारतीय स्थापत्य का एक अद्वितीय उदाहरण है। यहाँ की मूर्तियाँ और नक्काशी दर्शाती हैं कि उस समय के शिल्पकारों ने कितना उच्च स्तर का कला कौशल हासिल किया था। यह मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह भारतीय शिल्पकला और वास्तुकला का अद्वितीय उदाहरण भी प्रस्तुत करता है।

कोणार्क बीच

कोणार्क का एक और प्रमुख आकर्षण है यहाँ का सुंदर समुद्र तट, जिसे कोणार्क बीच कहा जाता है। यह समुद्र तट अपनी शांत और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। पर्यटक यहाँ सूर्योदय और सूर्यास्त का अद्भुत दृश्य देख सकते हैं। यह समुद्र तट उन लोगों के लिए आदर्श है जो समुद्र के नजदीक शांति और सुकून की तलाश करते हैं। साथ ही, यहाँ विभिन्न जल क्रीड़ाओं का भी आनंद लिया जा सकता है, जैसे कि स्विमिंग, बोटिंग और वाटर स्पोर्ट्स।

कोणार्क की ऐतिहासिक धरोहर

कोणार्क में केवल सूर्य मंदिर ही नहीं, बल्कि अन्य ऐतिहासिक स्थल भी हैं जो इस क्षेत्र के सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व को दर्शाते हैं। कोणार्क म्यूजियम में पर्यटक इस क्षेत्र के इतिहास और संस्कृति के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यहाँ की पुरानी मूर्तियाँ, शिल्पकला और अन्य पुरातात्विक वस्तुएं इस क्षेत्र की समृद्ध धरोहर को उजागर करती हैं।

कोणार्क महोत्सव

कोणार्क नृत्य महोत्सव हर साल दिसंबर महीने में आयोजित किया जाता है। इस महोत्सव में ओडिशा के पारंपरिक नृत्य रूपों, जैसे कि ओडिसी नृत्य, के शानदार प्रदर्शन होते हैं। यह महोत्सव कोणार्क सूर्य मंदिर के पास खुले आकाश के नीचे आयोजित होता है, जहाँ पर्यटक और कलाकार एक साथ ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का उत्सव मनाते हैं। यह महोत्सव कला और संस्कृति प्रेमियों के लिए एक अद्भुत अनुभव होता है।

नजदीकी पर्यटक स्थल

कोणार्क के आसपास कई अन्य दर्शनीय स्थल भी हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। चिलिका झील जो एशिया की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील है, केवल 30 किलोमीटर दूर स्थित है। यह झील अपने प्राकृतिक सौंदर्य और पक्षी अभयारण्य के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ आप बोटिंग का आनंद ले सकते हैं और पक्षियों को देख सकते हैं। इसके अलावा, पुरी और भुवनेश्वर जैसे अन्य पर्यटन स्थल भी कोणार्क के पास स्थित हैं, जो धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

गोवा घूमने का बना रहे प्लान तो जरूर एक्सप्लोर करें पांडवों की गुफा, ऐसे पहुंचे यहां

गोवा में घूमने के लिए वैसे तो कई अच्छी जगहें हैं। कई लोगों को लगता है कि गोवा सिर्फ अपने खूबसूरत समुद्र तटों के लिए जाना जाता है। लेकिन ऐसा नहीं है। गोवा अपने सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक आकर्षणों के लिए भी फेमस है। गोवा को बीच के नाम से इसलिए भी जाना जाता है, क्योंकि यहां के समुद्र तट काफी फेमस है। साथ ही यहां की नाइटलाइफ भी काफी ज्यादा फेमस है। अक्सर गोवा को बीच डेस्टिनेशन के रूप में प्रमोट किया जाता है। वहीं सोशल मीडिया, फिल्मों और ट्रैवल एजेंसियों के प्रचार में अधिकतर पार्टीज, बीच और वाटर स्पोर्ट्स को दिखाया जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गोवा की अरवलम गुफाओं के बारे में बताने जा रहे हैं।

अरवलम गुफा

बताया जाता है कि अवरलम गुफा महाभारत में पांडवों के वनवास के दौरान रुकने का स्थान था। यही वजह है कि इस गुफा को पांडव गुफा भी कहा जाता है। इन गुफाओं की वास्तुकला हिंदू और बौद्ध प्रभाव से जुड़ी हुई लगेंगी। यह गुफा अवरलम झरने की तरफ जाने वाले रास्ते में पड़ती है। यह गोवा में घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है।

लोकेशन

गोवा के नॉर्थ गोवा में संकेलिम के पास स्थित है।

पणजी से यह गुफा करीब 29 किमी की दूरी पर है। यहां पर पहुंचने में करीब 40 मिनट का समय लग सकता है।

अरवलम गुफा से कुछ दूरी पर अवरलम झरना और रुद्रेश्वर मंदिर भी है। आप यहां के नजारे भी देख सकते हैं।

ऐसे पहुंचे अरवलम गुफा

अगर आप थिविम रेलवे स्टेशन से आ रहे हैं, तो यह करीब 20 किमी की दूरी पर है। यहां पर पहुंचने में आपको करीब 30 मिनट का समय लग सकता है।

अरवलम गुफा से गोवा का नजदीकी डाबोलिम एयरपोर्ट से लगभग 45 किमी है।

आप गोवा में कही भी जाने के लिए कैब बुक कर सकते हैं। आपको मापसा या पणजी से कैब और बस मिल जाएगी।

आप चाहें तो बाइक रेंट पर लेकर घूम सकते हैं।

प्रकृति, रोमांच और सांस्कृतिक विविधता का संगम है पतरातू घाटी

झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 35–40 किलोमीटर दूर स्थित पतरातू घाटी एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो अपने घुमावदार रास्तों, हरे–भरे जंगलों, शांत झीलों और सांस्कृतिक विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यह घाटी रांची, रामगढ़ और हजारीबाग की पहाड़ियों के बीच स्थित है, जो इसे एक आदर्श सप्ताहांत गंतव्य बनाती है।

प्रमुख आकर्षण

1. पतरातू डैम और झील

पतरातू डैम, नलकारी नदी पर स्थित है, जिसे मूल रूप से पतरातू थर्मल पावर स्टेशन की जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाया गया था। आज यह झील नौका विहार, पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए एक प्रमुख आकर्षण बन गई है। झील के किनारे स्थित पतरातू लेक रिसॉर्ट पर्यटकों को आरामदायक आवास और जल क्रीड़ा की सुविधाएँ प्रदान करता है।

2. घुमावदार घाटी मार्ग

पतरातू घाटी का सड़क मार्ग अपने हेयरपिन मोड़ों और हरे–भरे दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है। यह मार्ग ड्राइविंग और बाइकिंग के शौकीनों के लिए एक रोमांचक अनुभव प्रदान करता है।

3. प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवन

घाटी में घने जंगल, पहाड़ियाँ और जलप्रपात हैं, जो ट्रेकिंग, हाइकिंग और बर्ड वॉचिंग के लिए उपयुक्त हैं। यहाँ भारतीय जंगली भैंस, बार्किंग डियर और स्लॉथ बियर जैसे वन्यजीव पाए जाते हैं।

4. सांस्कृतिक विविधता

पतरातू क्षेत्र में संथाल और उरांव जैसे जनजातीय समुदाय निवास करते हैं, जिनकी सांस्कृतिक परंपराएँ और त्योहार पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

कैसे पहुँचें

सड़क मार्ग : रांची से पतरातू घाटी तक एनएच–33 के माध्यम से पहुँचा जा सकता है। यह मार्ग लगभग 35 किलोमीटर लंबा है और यात्रा के दौरान सुंदर दृश्य देखने को मिलते हैं।

रेल मार्ग : निकटतम रेलवे स्टेशन पतरातू है, जो घाटी से लगभग 4 किलोमीटर दूर स्थित है।

वायु मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची है, जो घाटी से लगभग 70 किलोमीटर दूर है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च : इस अवधि में मौसम सुखद होता है, जो यात्रा और बाहरी गतिविधियों के लिए उपयुक्त है।

जुलाई से सितंबर : मानसून के दौरान घाटी हरे–भरे परिदृश्य से भर जाती है, लेकिन भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

यात्रा सुझाव

घाटी के घुमावदार रास्तों पर सावधानीपूर्वक ड्राइव करें, विशेषकर बारिश के मौसम में।

रात के समय यात्रा से बचें, क्योंकि कुछ क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

स्थानीय संस्कृति और पर्यावरण का सम्मान करें ; कचरा न फैलाएँ और वन्यजीवों को परेशान न करें। पतरातू घाटी झारखंड का एक छिपा हुआ रत्न है, जो प्राकृतिक सौंदर्य, रोमांच और सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। यदि आप शहरी जीवन की भागदौड़ से दूर एक शांत और सुंदर स्थान की तलाश में हैं, तो पतरातू घाटी आपकी यात्रा सूची में अवश्य होनी चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेना के दो वीर सपूतों ने डिजाइन किया था ऑपरेशन सिंदूर का लोगो

नई दिल्ली।

पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने वाले ऑपरेशन सिंदूर का लोगो लगभग हर जगह दिखाई दिया। इसके रंग, डिजाइन और भाव ने एक अभिट छाप छोड़ी। इसे बनाने वाले कर्नल लेफ्टिनेंट कर्नल हर्ष गुप्ता और हवलदार सुरिंदर सिंह थे। भारतीय सशस्त्र बलों के ऑपरेशन सिंदूर का सरल और प्रतीकात्मक लोगो दो सैन्यकर्मियों द्वारा डिजाइन किया गया था। इस लोगो ने देश के करोड़ों लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया था।

भारतीय सशस्त्र बलों ने 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में छह मई की रात को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया था।

इसके कुछ ही समय बाद, भारतीय सेना के सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्टर के साथ एक मार्मिक संदेश प्रकाशित हुआ, जो अब ऑपरेशन सिंदूर की एक परिभाषित छवि बन गया है। ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित भारतीय सेना की पत्रिका बातचीत के नवीनतम संस्करण के अनुसार, इस निर्णायक सैन्य कार्रवाई का लोगो लेफ्टिनेंट कर्नल हर्ष गुप्ता और हवलदार सुरिंदर सिंह द्वारा डिजाइन किया गया था।सेना ने इस पत्रिका के अपने विशेष अंक में दोनों सैन्यकर्मियों की तस्वीरें लोगो के साथ साझा कीं।

सत्रह पृष्ठों वाली इस पत्रिका के आरंभिक भाग में पूरे पृष्ठ पर ऑपरेशन सिंदूर के लोगो के साथ शीर्ष पर भारतीय सेना का प्रतीक चिह्न अंकित है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवाद कोई परोक्ष युद्ध नहीं, बल्कि एक सोची-समझी युद्ध रणनीति है और भारत उसी के अनुसार जवाब देगा। मोदी ने यहां गुजरात सरकार के शहरी विकास कार्यक्रम में कहा, वसुधैव कुटुम्बकम् हमारा संस्कार है, हम अपने पड़ोसियों के लिए भी खुशी चाहते हैं, लेकिन यदि आप हमारी ताकत को चुनौती देंगे तो भारत भी वीरों की भूमि है।

प्रधानमंत्री ने कहा, हम इसे परोक्ष युद्ध नहीं कह सकते, क्योंकि छह मई की रात (पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारतीय हमलों में) मारे गए लोगों को पाकिस्तान में राजकीय सम्मान दिया गया। उनके ताबूतों पर पाकिस्तानी झंडे लपेटे गए और सेना ने उन्हें सलामी दी। उन्होंने कहा, इससे साबित होता है कि ये आतंकवादी गतिविधियां सिर्फ परोक्ष युद्ध नहीं हैं, बल्कि उनकी ओर से सोची-समझी युद्ध रणनीति है। अगर वे युद्ध में शामिल होते हैं, तो जवाब भी उसी के अनुसार होगा। पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर हमला करने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर'चलाए जाने के बाद मोदी अपनी पहली यात्रा पर गुजरात पहुंचे थे।

ऑनलाइन होगी रजिस्ट्री, घर और जमीन के खरीदी वाले नियमों में होगा बदला

नई दिल्ली।

घर और जमीन की खरीदी बिक्री को लेकर बने 117 साल पुराने नियमों में बदलाव होने जा रहा है। केंद्र सरकार ने संपत्ति के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन को अनिवार्य बनाने और दस्तावेजों के डिजिटल संरक्षण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण विधेयक का मसौदा तैयार किया है। यह प्रस्तावित कानून 117 साल पुराने रजिस्ट्रेशन अधिनियम की जगह लेगा। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत भूमि संसाधन विभाग ने इस मसौदे को जनता की राय के लिए जारी किया है। भूमि संसाधन विभाग ने एक बयान में कहा, हाल के वर्षों में तकनीक का बढ़ता उपयोग, बदलते सामाजिक-आर्थिक व्यवहार और पंजीकृत दस्तावेजों पर बढ़ती निर्भरता ने एक आधुनिक और भविष्य उन्मुख रजिस्ट्रेशन प्रणाली की आवश्यकता को रेखांकित किया है। विभाग ने इस मसौदे पर आम जनता से भी राय मांगी है। वर्तमान रजिस्ट्रेशन अधिनियम देशभर में लागू है, लेकिन राज्य सरकारों को इसमें संशोधन करने का अधिकार है। इसके लिए हालांकि केंद्र से परामर्श जरूरी है। कई राज्यों ने पहले ही कानून में संशोधन कर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की अनुमति दी है। इसी को ध्यान में रखते हुए केंद्र ने एक व्यापक कानून लाने का निर्णय लिया है, जो पूरे देश में समान रूप से लागू हो सके। मसौदा विधेयक के तहत अब एग्रीमेंट टू सेल, पावर ऑफ अटॉर्नी, सेल सर्टिफिकेट और इक्विटेबल मॉर्गेज जैसे दस्तावेजों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया जाएगा।

आधार आधारित सत्यापन जरूरी

सरकार ने आधार आधारित सत्यापन प्रणाली को भी प्रस्तावित किया है, जिसमें नागरिकों की सहमति आवश्यक होगी। जो लोग आधार नंबर साझा नहीं करना चाहते उनके लिए वैकल्पिक सत्यापन की व्यवस्था भी की जाएगी। यह कदम धोखाधड़ी और फर्जीवाड़ा कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। साथ ही, सरकार इलेक्ट्रॉनिक रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र और रिकॉर्ड के डिजिटल रख रखाव की भी अनुमति देने जा रही है। अब दस्तावेजों की ई-प्रस्तुति और रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से संभव होगी।

दुकानदार या संस्था ने 10 रुपए का सिक्का लेने से इनकार किया तो होगी कार्रवाई

आरबीआई ने जारी की नई गाइडलाइन, सिक्के को बताया पूरी तरह से वैध

नई दिल्ली।

दस रुपये के सिक्कों को लेकर लंबे समय से भ्रम और अफवाहों का बाजार गर्म है। कई बार दुकानदार इन सिक्कों को नकली मानकर नहीं लेते हैं, जिससे लोग परेशान होते हैं। अब भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए गाइडलाइन जारी की है। आरबीआई ने साफ कहा है कि 10 रुपए के सिक्के पूरी तरह वैध मुद्रा हैं और देशभर में कानूनी रूप से मान्य हैं। आरबीआई के मुताबिक अब तक 14 अलग-अलग डिज़ाइन में 10 रुपए के सिक्के जारी किए गए हैं, जो सभी मान्य हैं। कोई भी व्यक्ति, दुकानदार या संस्था को इन्हें लेने से इनकार नहीं कर सकती है। ऐसा करने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। असली और नकली 10 रुपये का सिक्का में डिज़ाइन और नक्काशी सिक्के के एक तरफ अशोक स्तंभ होता है और उसके नीचे भारत और ढ्ढठ्ठस्त्रद्बड्ड लिखा होता है। दूसरी ओर 10 अंकित होता है, जिसके साथ कोई प्रतीक–जैसे कमल का फूल या अन्य डिज़ाइन भी हो सकता है। किनारों पर महीन (बारीक) धारियां होती हैं। नकली सिक्कों की नक्काशी धुंधली हो सकती है या उसमें वर्तनी की गलतियां हो सकती हैं। असली 10 रुपये का सिक्का बाइ-मेटैलिक होता है, यानी यह दो धातुओं से बना होता है बाहरी हिस्सा एल्युमिनियम-ब्रॉन्ज से और अंदरूनी हिस्सा निकल-ब्रॉन्ज से बना होता है। रंग एकसमान और चमकदार होता है, जबकि नकली सिक्के फीके या असमानी रंग वाले हो सकते हैं। असली सिक्के का वजन संतुलित होता है, जबकि नकली सिक्के भारी या हल्के हो सकते हैं। आकार में भी हल्का अंतर हो सकता है। असली सिक्का जब ज़मीन पर गिरता है, तो उसमें क्लियर मेटलिक साउंड की आवाज आती है और नकली सिक्कों से खोखली आवाज आती है। असली सिक्के हल्के चुंबकीय होते हैं। ये चुंबक से हल्का आकर्षण दिखाते हैं। नकली सिक्के या तो चिपक जाते हैं या बिल्कुल प्रतिक्रिया नहीं देते। यदि आप सिक्के की असलियत को लेकर संशय में हैं, तो आरबीआई ने टोल-फ्री नंबर 14440 जारी किया है। इस नंबर पर कॉल करने के कुछ सेकंड बाद अपने-आप फोन आता है, जिसमें आईवीआर सिस्टम के जरिए 10 रुपए के सिक्कों की सारी जरूरी जानकारी दी जाती है।

कानपुर मेट्रो परियोजना: तुर्की कंपनी के भागने से ठेकेदारों में हड़कंप

कानपुर।

कानपुर मेट्रो परियोजना में संलग्न तुर्की कंपनी गुलेरमक के निर्माण कार्य के दौरान भागने की घटना ने स्थानीय ठेकेदारों और प्रशासन में हड़कंप मचा दिया है। ठेकेदारों के अनुसार कंपनी ने अपने बकाया भुगतान को लंबित रखा है और उन्हें धोखा दिया है। इस पर ठेकेदारों ने प्रशासन से त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है। यूपीएमआरसी के संयुक्त महाप्रबंधक ने इस मामले पर अपने दृष्टिकोण साझा किया और ठेकेदारों के बकाया भुगतान के विवरण दिए। उन्होंने यह भी बताया कि अगर गुलेरमक भुगतान में विफल रही, तो उन्हें राशि को ठेकेदारों को जारी करने के लिए बाध्य किया जाएगा।

ठेकेदारों ने अपने बकाया भुगतान का विवरण साझा किया, जिसमें मेट्रो मार्बल के 3.70 करोड़, रेडिएंट सर्विसेज के 1.20 करोड़, श्रेयांस इन्फ्राटेक के 1.70 करोड़, एस इंटीरियर के 74.80 लाख, एमडी एहसान पेंटर के 39.80 लाख, विनोद गुप्ता एंटरप्राइजेज के 8.54 लाख, नंदन प्रीफैब के 29.50 लाख और श्री बालाजी एंटरप्राइजेज के 21.50 लाख रुपये शामिल हैं। ठेकेदारों का कहना है कि कंपनी ने बार-बार भुगतान का आश्वासन दिया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। यूपीएमआरसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गुलेरमक ने कानपुर मेट्रो के कॉरिडोर-1 के चार स्टेशनों का निर्माण कार्य पूरा किया था, और इसके लिए यूपीएमआरसी ने कंपनी को पूरा भुगतान कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये ठेकेदार गुलेरमक के सब-कॉन्ट्रैक्टर्स हैं, और अनुबंध के अनुसार मेट्रो ने 5 प्रतिशत राशि रिजर्व में रखी है, जो एक वर्ष बाद जारी की जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर पर दिए बयान पर राणे ने संजय राउत को घेरा

उन्हें बॉर्डर पर खड़ा कर दो जब गलत जगह पर गोली लगेगी तो...

मुंबई।

शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत के ऑपरेशन सिंदूर पर दिए बयान को लेकर सियासत गरमा गई है। इस बीच महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और बीजेपी नेता नितेश राणे ने भी उद्धव गुट के नेता पर निशाना साधा है। ऑपरेशन सिंदूर पर संजय राउत के सवाल उठाने पर नितेश राणे ने कहा कि संजय राउत को बॉर्डर पर ले जाकर खड़ा करना चाहिए और जब गलत जगह पर गोली लगेगी तब उसको पता चलेगा की ऑपरेशन सिंदूर से हमें सफलता मिली है या नहीं। उन्हें बोलने का कोई हक नहीं है। आप कौन होते हो पीएम मोदी के काम पर सवाल उठाने वाले? आपको क्या पता है, यह आपका काम नहीं है। वहीं संजय राउत के अमित शाह का इस्तीफा मांगे जाने पर राणे ने कहा कि यह विफलता कैसे है? हम अभी भी आतंकवादियों के पीछे हैं। कई धाराएं हैं जो संजय राउत को जेल भेज सकती हैं। राउत पूरे देश पर सवाल उठा रहे हैं, उन पर कार्रवाई होनी चाहिए।

वहीं मुंबई में तेज बारिश के बाद हुए जलभराव को लेकर नितेश राणे ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब मुंबई में बारिश हुई है। कई जगहों पर पानी जमा होता है, यह एक भौगोलिक समस्या है। 2005 में 944 मिमी बारिश दर्ज

की गई। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे के कार्यकाल में और भी बुरा हाल था, लेकिन उद्धव ठाकरे 5 स्टार होटल में अपना जन्मदिन मना रहे थे। मेट्रो भूमिगत है, पानी जमा होना कोई बड़ी बात नहीं है, हम इसे भी ठीक करेंगे। राणे ने कहा कि मुझे इनका भ्रष्टाचार पता है, मुझे बोलने पर मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

1200 करोड़ की लागत से अब बड़ा और सुविधाजनक हुआ पटना एयरपोर्ट टर्मिनल

पटना।

पटना एयरपोर्ट पूरी तरह बदल गया है। यह भव्य और विशाल दिखने लगा है। नए निर्माण पर 1200 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। अब पटना एयरपोर्ट टर्मिनल का क्षेत्रफल 12 हजार से बढ़कर 65 हजार वर्गफीट हो जाएगा। बड़े शहरों की तरह आगमन भूतल पर और प्रस्थान प्रथम तल पर होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 29 मई को पटना एयरपोर्ट (जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा) के नए टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे। हालांकि, यात्रियों का आवागमन पांच जून से शुरू होगा। अभी टर्मिनल भवन से ही यात्रियों की आवाजाही जारी रहेगी।

उद्घाटन के बाद एयरपोर्ट में प्राधिकरण और विमानन कंपनियों के कार्यालय, चेकइन काउंटर, एक्सरे मशीनें आदि शिफ्ट की जाएंगी। इन्हें चार जून तक शिफ्ट करने का निर्णय लिया गया है।750 वाहनों की क्षमता वाली मल्टीलेवल पार्किंग है। यहां ट्रेवलेटर और कनेक्टिंग ब्रिज के माध्यम से यात्री टर्मिनल में प्रवेश सकेंगे। टर्मिनल में अधिक जगह होने से कई सुविधाएं भी यात्रियों को मिलेंगी। बड़े शहरों के हवाईअड्डों की तरह पटना में भी टर्मिनल पर यात्रियों को कई तरह की सुविधाएं मिलेंगी। अभी कुर्सी पर बैठकर फ्लाइटों का इंतजार करना पड़ता है।नए टर्मिनल में रीक्लाइनिंग सीट भी होंगी, जिससे समय से पहले पहुंचे यात्रियों को सुविधा होगी। पांच एयरोब्रिज भी होंगे।

साथ ही अलग-अलग मंजिलों से आगमन और प्रस्थान कराया जाएगा।इसके अलावा 13 बोर्डिंग गेट होंगे। इनमें आठ भूतल और पांच प्रथम तल पर होंगे। यही पांच एयरोब्रिज बनाए गए हैं। कन्वेयर बेल्ट की संख्या चार हो जाएगी।

नए टर्मिनल से यात्रियों की आवाजाही शुरू होने के बाद पुराने भवन को ध्वस्त किया जाएगा। वहां विमानों के लिए पार्किंग-बे होगा। उस स्थान पर 11 विमान खड़े हो सकेंगे।वर्तमान में 21 चेकइन काउंटर हैं, जबकि नए टर्मिनल में इनकी संख्या 64 हो जाएगी। बोर्डिंग पास जारी करने वाली मशीनें भी लगेंगी।जिन यात्रियों ने वेब चेकइन नहीं किया और हैंड बैग के साथ एयरपोर्ट आए वे मशीन से बोर्डिंग पास निकाल सकते हैं। वहीं, लगेज लेकर आने वाले यात्री काउंटर से बोर्डिंग पास प्राप्त कर सकेंगे।

संक्षिप्त समाचार

कर्नल सोफिया पर विवादित बयान मामले की सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई आज

नई दिल्ली। कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह द्वारा दिए गए विवादित बयान पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में एक अहम मोड़ आ सकता है। कोर्ट इस मामले में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए थे। इस प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता शामिल हैं, ने पहले ही विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की थी। एसआईटी ने अपनी पहली स्टेटस रिपोर्ट सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दी है। पीठ ने सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री से इस रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लेने के निर्देश दिए हैं। **क्या है विवाद** मध्य प्रदेश की मोहन सरकार में मंत्री विजय शाह ने सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर सार्वजनिक मंच से विवादित टिप्पणी की थी, जिसे सेना, महिला संगठनों और विपक्षी दलों ने अपमानजनक और असंवैधानिक बताया था। इस बयान ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा की थीं।

कुवैत में गुलाम नबी आजाद की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

नई दिल्ली।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद की तबीयत खाड़ी देशों की यात्रा के दौरान अचानक बिगड़ गई। इसके चलते उन्हें कुवैत के एक अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। वह इस समय डॉक्टरों की निगरानी में हैं और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। यह जानकारी बीजेपी सांसद बैजयंत जय पांडा ने मंगलवार को दी, जो कि खाड़ी देशों की यात्रा पर गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया, कि हमारे प्रतिनिधिमंडल के दौरे के बीच में श्री गुलाम नबी आजाद को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। उनकी हालत स्थिर है और वे चिकित्सकीय देखरेख में हैं। उनकी कुछ मेडिकल जांच होनी बाकी है। वहीं दूसरी तरफ गुलाम नबी आजाद ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए अपनी जानकारी दी और कहा कि अब बेहतर महसूस कर रहा हूं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया, कि कुवैत की भीषण गर्मी के कारण मेरी सेहत पर असर पड़ा, लेकिन अल्लाह के करम से अब मेरी हालत में सुधार हो रहा है। सभी जांच के नतीजे सामान्य हैं। आप सभी की दुआओं और चिंता के लिए धन्यवाद, यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। **भारत सरकार ने भेजा है विदेश** गुलाम नबी आजाद और बैजयंत पांडा उस सात सदस्यीय बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं जिन्हें भारत सरकार ने विभिन्न देशों में भेजा है। इन प्रतिनिधिमंडलों का उद्देश्य पाक प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रतिक्रिया को अंतरराष्ट्रीय समुदाय तक पहुंचाना है। यहां बताते चलें कि प्रतिनिधिमंडल ने 23 मई को बहरीन और 25 मई को कुवैत का दौरा किया था। इन बैठकों में आजाद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पांडा ने उनकी अनुपस्थिति पर खेद जताते हुए कहा, सऊदी अरब और अल्जीरिया में उनकी उपस्थिति हमें बहुत खलेगी। **कांग्रेस ने भी जताई चिंता** हालांकि अब गुलाम नबी आजाद कांग्रेस में नहीं हैं, फिर भी पार्टी ने उनके स्वास्थ्य पर चिंता व्यक्त की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए उनका नाम लिए बिना कहा है, कि यह जानकर चिंता हुई कि पाकिस्तानी आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति को मजबूत करने के लिए भेजे गए उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के एक सदस्य को कुवैत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। गौरतलब है कि गुलाम नबी आजाद ने 2022 में कांग्रेस छोड़कर डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी का गठन किया था। **आगे की यात्रा पर असर** आजाद की तबीयत बिगड़ने के चलते वे प्रतिनिधिमंडल के साथ सऊदी अरब और अल्जीरिया की आगामी बैठकों में भाग नहीं ले पाएंगे। प्रतिनिधिमंडल इन देशों में विभिन्न राजनीतिक नेताओं, अधिकारियों और भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात करेगा।

भारत में भी पैर पसार रहा कोरोना, अब तक देश में हुई 12 मौतें

पीएम मोदी की रैली में नजदीक रहने वालों का होगा टेस्ट

नई दिल्ली।

भारत में कोरोना वायरस के मामले गंभीर नहीं हैं, लेकिन अमेरिका में कोरोना ने कहर मचा दिया है। अमेरिका में हर हफ्ते 350 मौतें कोविड संक्रमण से हो रही हैं। मीडिया रिपोर्ट में अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी ने जानकारी दी है कि 350 नागरिकों की मौत पिछले एक हफ्ते में कोरोना से हुई है।

भारत में भी कोरोना वायरस के एक्टिव केसों की संख्या 1083 हो गई है। केरल में सबसे ज्यादा 430 कोरोना मरीज हैं। मंगलवार को कर्नाटक में 36, गुजरात में 17, बिहार में 5 और हरियाणा में 3 नए मामले सामने आए हैं। वहीं गुजरात में 13 मरीज रिकवर भी हुए हैं। नॉर्थ-ईस्ट में भी कोरोना के मामले सामने आने लगे हैं। अरुणाचल प्रदेश में मंगलवार को 2 महिलाएं कोरोना पॉजिटिव मिलीं। इनमें एक को बुखार और हल्की खांसी है जबकि दूसरी महिला में कोई लक्षण नहीं हैं।

यूपी के फिरोजाबाद में मंगलवार को 78 साल के कोरोना पॉजिटिव मरीज की इलाज के दौरान मौत हो गई। यह राज्य में कोविड के नए वैरिएंट से पहली मौत है। इसके अलावा, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में कुल 11 मरीजों की मौत हो चुकी है। कुल मृतक की संख्या 12 हो गई है। पीएम मोदी के 29-30 मई को बिहार दौरे के मद्देनजर राज्य का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। निर्देश दिया गया है कि पीएम मोदी के 100 मीटर के दायरे में रहने वाले सभी लोगों की कोरोना जांच की जाएगी।

जयपुर में 26 मई को कोरोना के दो मरीजों की मौत हो गई है। इनमें से एक रेलवे स्टेशन पर मृत मिला था। उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। दूसरी मौत निजी हॉस्पिटल में भर्ती 26 साल के युवक की हुई। उसे पहले से ही टीबी की बीमारी थी। वहीं, महाराष्ट्र के ठाणे में एक कोरोना पॉजिटिव महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। ठाणे में ही 25 मई को अस्पताल में इलाज करा रहे 21 साल के युवक की मौत हो गई।

सपा नेता सिर्फ मुस्लिमों का वोट चाहते हैं, मुद्दों पर साथ खड़े नहीं दिखते

मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने प्रोफेसर महमूदाबाद को लेकर अखिलेश पर कसा तंज

लखनऊ।

ऑल इंडिया जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को लेकर कहा कि अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी और फिर रिहाई का जिक्र करते हुए रजवी ने दावा किया कि सपा और उनके नेता सिर्फ मुस्लिमों का वोट चाहते हैं लेकिन वह उनके मुद्दों पर साथ खड़े नहीं दिखते।

मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने अखिलेश को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि मुसलमानों ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी को भरपूर समर्थन और वोट दिया, लेकिन पार्टी नेतृत्व मुस्लिम समुदाय के मसलों से कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है।

उन्होंने कहा कि जब बात मुस्लिम समाज के मुद्दों की होती है, तो अखिलेश यादव की आवाज खामोश हो जाती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव द्वारा महिला अफसरों- कर्नल सोफिया कुरैशी और कमांडर व्योमिका सिंह पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बावजूद अखिलेश ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की। मौलाना रजवी ने सवाल किया कि इस मामले पर पार्टी अध्यक्ष की चुप्पी आखिर क्यों है?

रजवी ने कहा कि अखिलेश यादव बंद कमरों में रणनीति बनाते हैं, लेकिन जब किसी मुसलमान पर अन्याय होता है, तो उनका 'एक्स' भी खामोश हो जाता है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज अब आंखें खोल रहा है और भविष्य में राजनीतिक समर्थन देने से पहले इन बातों को ज़रूर ध्यान में रखेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

यह परमाणु युद्ध की तैयारी ; गोल्डन डोम प्रोजेक्ट को लेकर अमेरिका के विरोध में उतरा उत्तर कोरिया

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने अमेरिका के गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम पर अपना कड़ा विरोध जताते हुए इस प्रोजेक्ट को बहुत ही खतरनाक और धमकी भरा पहल बताया है। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय के तहत काम करने वाले इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिकन स्टडीज ने इस प्रोजेक्ट को अमेरिका फर्स्ट की सोच, अहंकार और मनमानी का उदाहरण बताया। साथ ही ये भी कहा कि यह अंतरिक्ष से परमाणु युद्ध शुरू करने की तैयारी जैसी है। बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते 20 मई को गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम प्रोजेक्ट के डिजाइन को मंजूरी दी। साथ ही इसके लिए एक प्रमुख नेतृत्वकर्ता की नियुक्ति भी की। यह प्रोजेक्ट लगभग 175 अरब डॉलर का है और इसका मकसद अमेरिका को मिसाइल हमलों से बचाना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसी साल मार्च में अमेरिकी संसद में दिए अपने भाषण में इस्राइल के आयरन डोम सुरक्षा कवच की तर्ज पर ही अपने देश में एक गोल्डन डोम बनाने का प्रस्ताव रखा था। इसके बाद बीते मंगलवार को उन्होंने इस सिस्टम के निर्माण को लेकर मंजूरी भी दे दी। अमेरिका के पास फिलहाल ऐसी कोई सुरक्षा प्रणाली नहीं है, जिसके जरिए वह आधुनिक समय की हाइपरसोनिक मिसाइलों, ड्रोन हमलों की बाढ़ का सामना कर सके। देखा जाए तो इस प्रोजेक्ट के तहत अमेरिका दुनिया भर की कक्षा में सैकड़ों उपग्रहों का नेटवर्क तैयार करेगा, जिनमें आधुनिक सेंसर और इंटरसेप्टर होंगे। इनका काम होगा किसी भी दुश्मन देश, जैसे चीन, ईरान, उत्तर कोरिया या रूस से छोड़े गए मिसाइलों को उड़ान भरते ही नष्ट कर देना। अब ऐसे में अमेरिका के गोल्डन डोम का विरोध दुनियाभर में होना शुरू हो चुका है। उत्तर कोरिया से पहले चीन भी इस प्रोजेक्ट को लेकर अपनी चिंता जाहिर कर चुका है। चीन ने अमेरिका से इसे तुरंत बंद करने की अपील भी की है। वहीं उत्तर कोरिया और चीन दोनों का मानना है कि यह परियोजना वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है।

कनाडा पहुंचे किंग चार्ल्स, ट्रंप से तल्खी के बीच कनाडाई संसद में देंगे ऐतिहासिक भाषण

ओटावा, एजेंसी। ब्रिटेन के किंग चार्ल्स III सोमवार को कनाडा की राजधानी ओटावा पहुंचे। उनका यह दौरा ऐसे वक्त हुआ है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार कनाडा को अमेरिका में मिलाने की बात कर रहे हैं। इसी के जवाब में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने किंग चार्ल्स को संसद के नए सत्र में स्पीच फ्रॉम द थ्रोन देने के लिए आमंत्रित किया है। बता दें कि स्पीच फ्रॉम द थ्रोन वह भाषण होता है जिसमें सरकार अपना एजेंडा जनता के सामने रखती है। आमतौर पर यह भाषण गवर्नर जनरल देते हैं, लेकिन कभी-कभी सम्राट खुद भी यह भाषण देते हैं। किंग चार्ल्स की मां, रानी एलिजाबेथ द्वितीय ने अपने 70 साल के शासन में सिर्फ दो बार ऐसा किया था। ओटावा पहुंचने पर किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला का गवर्नर जनरल मैरी साइमन, प्रधानमंत्री कार्नी और रॉयल कैनेडियन ड्रैगून्स के 25 सैनिकों के सम्मान गार्ड ने स्वागत किया। किंग चार्ल्स इस सैन्य रेजीमेंट के कर्नल-इन-चीफ भी हैं। इस मौके पर गवर्नर जनरल मैरी साइमन ने कहा कि राजा की यह यात्रा हमें याद दिलाती है कि हम कौन हैं और हमारी अलग राष्ट्रीय पहचान क्या है। कनाडा के लोग आमतौर पर राजशाही को लेकर बहुत भावुक नहीं हैं, लेकिन प्रधानमंत्री कार्नी अमेरिका से फर्क दिखाने को लेकर सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि किंग का दौरा कनाडा की स्वतंत्रता और संप्रभुता को साफ तौर पर दर्शाता है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि यह ऐतिहासिक सम्मान हमारी संवैधानिक परंपरा और पहचान को दिखाता है। यह इंग्लिश, फ्रेंच और इंडिजिनस (स्थानीय) लोगों के मेल से बनी हमारी एकता को भी दर्शाता है।

ब्रिटेन- फुटबॉल फैन्स को कार ने कुचला, 47 घायल

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के लिवरपूल शहर में सोमवार को एक शख्स ने कार से कई फुटबाल फैन्स को कुचल दिया। हादसे में 47 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 27 को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है, जबकि 20 का घटनास्थल पर ही इलाज किया गया। ये फैन्स लिवरपूल फुटबॉल क्लब की प्रीमियर लीग में जीत पर विक्ट्री परेड निकाल रहे थे। लोकल पुलिस के मुताबिक, सोमवार शाम स्थानीय समयानुसार करीब 6 बजे वाटर स्ट्रीट पर एक कार ने कई पैदल यात्रियों को टक्कर मारी। 53 साल के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने घटना में आतंकी हमले की आशंका से इनकार किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस परेड में करीब 10 लाख लोग शामिल हुए थे। लोकल पुलिस ने एक बयान जारी कर बताया कि आरोपी लिवरपूल इलाके में रहने वाला एक गोरा आदमी है। हम लोगों से अपील करते हैं कि आज रात हुई घटना के बारे में अटकलें न लगाएं। पुलिस ने लोगों से परेशान करने वाले वीडियो या तस्वीरें ऑनलाइन शेयर न करने की अपील की है। प्रधानमंत्री ने हादसे को चौंकाने वाला बताया लिवरपूल रिवरसाइड की सांसद किम जॉनसन ने कहा- मुझे पूरी उम्मीद है कि हादसे का शिकार हुए सभी लोग सुरक्षित होंगे और जल्द ही अपने परिवार के पास घर पहुंचेंगे। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस घटना को चौंकाने वाला बताया। उन्होंने कहा- लिवरपूल की तस्वीरें भयानक हैं। मेरी संवेदनाएं घायलों के साथ हैं। मुझे घटना की पूरी जानकारी दी जा रही है। मैं लोगों से अपील करता हूं कि पुलिस को जांच के लिए जरूरी समय और जगह दें।

73 साल बाद सऊदी अरब में शराब बिकेगी, 600 टूरिस्ट स्पॉट पर मिलेंगी बीयर और वाइन

रियाद, एजेंसी। कट्टर इस्लामी नियमों को लेकर मशहूर सऊदी अरब अब शराब पर बैन हटाने की तैयारी में जुट गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सऊदी सरकार देश में 600 टूरिस्ट प्लेस पर शराब की बिक्री शुरू करने की योजना बना रही है। मेट्रो न्यूज के मुताबिक शराब की अनुमति देने वाले नए लाइसेंसिंग कानून 2026 में लागू होंगे। ऐसा 2030 में वर्ल्डएक्सपो और 2034 में शुरू होने वाले फुटबॉल वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है।

सऊदी अरब में क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) के हाथों में सत्ता आने के बाद से कई बड़े बदलाव हो चुके हैं। उन्होंने महिलाओं को गाड़ी चलाने की इजाजत दी, सिनेमाघर फिर से खोले और संगीत समारोहों की भी मंजूरी दी। अब शराब को भी सीमित तौर पर मान्यता देने की तैयारी हो रही है। सऊदी अरब में शराब पर बैन की असली वजह वहां के इस्लामिक कानून (शरिया) हैं। इसके अलावा इस्लाम से जुड़े दो पवित्र शहरों मक्का और मदीना होने की वजह से यहां शराब के खिलाफ बने नियमों को सख्ती से लागू किया जाता रहा है। कुरान में शराब को हराम माना गया है, क्योंकि यह सामाजिक और नैतिक बुराइयों का कारण बन सकती है। यहां पर शराब से संबंधित अपराधों (बिक्री, तस्करी, सेवन) के लिए सजा में कोड़े मारना, जेल, जुर्माना, या विदेशियों के लिए निर्वासन शामिल है।

20प्रतिशत से ज्यादा अल्कोहल वाले शराब पर बैन : यह शराब सिर्फ कुछ लाइसेंस प्राप्त जगहों जैसे 5-स्टार होटल, लग्जरी रिसॉर्ट और खास विदेशी इलाकों में ही मिलेगी। यहां सिर्फ बीयर, वाइन जैसे हल्के अल्कोहल वाले पेय ही मिलेंगे। 20प्रतिशत से ज्यादा अल्कोहल वाले पेय अभी भी बैन रहेंगे। सरकार का मानना है कि इससे टूरिज्म बढ़ेगा और सऊदी अरब, दुबई और बहरीन जैसे देशों से मुकाबला कर पाएगा, जहां पर्यटकों को शराब पीने की छूट दी जाती है। 1932 में सऊदी बनने के बाद से ही शराब इस्लामी कानून के मुताबिक प्रतिबंधित थी, लेकिन 1952 में इसे लेकर बेहद सख्त नियम बनाए गए। अब 73 साल बाद इसमें ढील दी जा रही है। हालांकि सऊदी में आम लोगों के घरों, दुकानों और सार्वजनिक जगहों पर शराब पीना या रखना अभी भी मना रहेगा। यह छूट सिर्फ विदेशी पर्यटकों और कुछ खास जगहों तक ही सीमित रहेगी। 2024 में विदेशी डिप्लोमैट्स के लिए खुली दुकान 2024 में रियाद के डिप्लोमैटिक इलाके में शराब की पहली दुकान खोली गई थी। यह दुकान सिर्फ गैर-मुस्लिम विदेशी राजनयिकों के लिए है। हालांकि उनका दुकान में मोबाइल फोन ले जाना मना है और हर ग्राहक को मोबाइल ऐप से शराब खरीदने की लिमिट तय की गई है। अधिकारियों ने कहा कि उनका मकसद है कि सऊदी अरब अपनी संस्कृति को बनाए रखते हुए दुनियाभर के लोगों का खुले दिल से स्वागत करे, ताकि दुनिया सऊदी को वर्ल्ड एक्सपो क्या है जिसके लिए नियम बदल रहे एमबीएस वर्ल्ड एक्सपो एक ऐसा शो है जहां अलग-अलग देश, कंपनियां या संगठन अपने उत्पाद, तकनीक, संस्कृति, या विचारों को दुनिया के सामने पेश करते हैं। इसका मकसद लोगों को नई चीजें दिखाना, व्यापार बढ़ाना, संस्कृति और तकनीक का आदान-प्रदान करना है। वर्ल्ड एक्सपो कई देशों को एक मंच पर लाता है। इसमें देश अपनी संस्कृति, टेक्नोलॉजी और उपलब्धियों को दिखाते हैं। यह हर 5 साल में आयोजित होता है और 6 महीने तक चलता है। वर्ल्ड एक्सपो 2030 सऊदी अरब की राजधानी रियाद में होगा। यह आयोजन 1 अक्टूबर 2030 से 31 मार्च 2031 तक चलेगा। अरब देशों में शराब का सेवन और बिक्री ज्यादातर इस्लामिक कानूनों (शरिया) के कारण सख्ती से नियंत्रित या प्रतिबंधित है, क्योंकि इस्लाम में शराब को हराम माना जाता है। हालांकि कुछ अरब देशों में शराब के सेवन और बिक्री के लिए छूट दी गई है, खासकर गैर-मुस्लिमों और पर्यटकों के लिए। कतर ने शराब बेचने से कर दिया था इनकार कतर ने वर्ल्ड कप शुरू होने से ठीक पहले वर्ल्ड कप के लिए शराब नीति को बदल दिया था। दरअसल, साल 2022 में कतर ने फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी की थी। इस दौरान उसने फीफा को यकीन दिलाया था कि वह स्टेडियम में शराब बेचने की अनुमति देगा।

हमास इजराइल के साथ सीजफायर के लिए तैयार-10 बंधक की रिहाई और 70 दिन युद्ध बंद रखने पर सहमत

गाजा, एजेंसी। फिलिस्तीन के उग्रवादी संगठन हमास ने अमेरिका की तरफ से गाजा में युद्धविराम के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। यह प्रस्ताव ट्रम्प के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ ने दिया था। इस नए प्रस्ताव में 10 इजराइली बंधकों की रिहाई और 70 दिन का युद्धविराम शामिल है। रॉयटर्स के मुताबिक इस प्रस्ताव में इजराइल की तरफ से कई फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई का मुद्दा भी शामिल है, जिनमें लंबी सजा काट रहे सैकड़ों कैदी शामिल हैं।

अभी तक इजराइल ने इस प्रस्ताव पर कोई बयान नहीं दिया है। इससे पहले इजराइल और हमास के बीच 19 जनवरी को सीजफायर हुआ था। हालांकि दो महीने बाद यानी 18 मार्च को इजराइल ने गाजा में कई जगह पर मिसाइल अटैक करके इसे तोड़ दिया था।

इजराइल का गाजा के 77प्रतिशत हिस्से पर कब्जा इजराइल ने गाजा पट्टी के 77प्रतिशत हिस्से पर कंट्रोल हासिल कर लिया है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक यह दावा गाजा के सरकारी मीडिया ऑफिस ने रविवार को किया। उन्होंने इजराइल पर नरसंहार का आरोप लगाते हुए संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है। बयान में कहा गया है कि इजराइली सेना ने बफर जोन, सुरक्षा कॉरिडोर और भारी गोलाबारी के जरिए गाजा के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों को अपने कब्जे में लिया है। बीते 1 सप्ताह में 500 से ज्यादा लोगों की मौत इजराइल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को और तेज कर दिया है, जिससे मानवीय संकट भयावह हो गया है। शनिवार और रविवार (24-25 मई 2025) को इजराइली हवाई हमलों में कम से कम 182 फिलिस्तीनी मारे गए, जिनमें बच्चे और महिलाएं शामिल हैं। इजराइल सेना के हमले में बीते एक सप्ताह में 500 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। 19 जनवरी 2025 को इजराइल ने सीजफायर तोड़ दिया था। इसके बाद से अब तक गाजा में 2,000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। 7 अक्टूबर 2023 से शुरू इजराइल-हमास जंग में अब तक 55,000 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें हजारों बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हैं।

चीन के नागरिकों के लिए एडवाइजरी- बांग्लादेश में न डेटिंग करें और न शादी

बीजिंग, एजेंसी। बांग्लादेश में चीनी दूतावास ने एक सलाह जारी की, जिसमें अपने नागरिकों से अवैध सीमा-पार विवाह व्यवस्थाओं से दूर रहने और ऑनलाइन मैचमेकिंग योजनाओं से सावधान रहने का आग्रह किया गया। सरकारी नियंत्रित ग्लोबल टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, दूतावास ने चीनी नागरिकों को चेतावनी दी कि वे छोटे वीडियो प्लेटफ़ॉर्म पर भ्रामक सीमा-पार डेटिंग सामग्री के झांसे में न आएं या अनौपचारिक नेटवर्क या वाणिज्यिक मैचमेकिंग एजेंसियों के माध्यम से तथाकथित विदेशी पत्नियों की तलाश न करें, जो चीनी कानून के तहत निषिद्ध हैं। इसने नागरिकों से विदेशी पत्नी खरीदने की अवधारणा को अस्वीकार करने तथा बांग्लादेश में शादी करने से पहले सावधानी से सोचने का भी आग्रह किया। ये चेतावनियाँ चीन में दुल्हन की तस्करी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आई हैं। अपनी अब समाप्त हो चुकी एक-बच्चा नीति और बेटों के लिए सांस्कृतिक वरीयता के कारण, चीन लैंगिक असंतुलन से जूझ रहा है। अनुमान है कि 30 मिलियन चीनी पुरुष जीवनसाथी नहीं ढूँढ़ पा रहे हैं और उन्हें ÷बचे हुए पुरुष÷ कहा जाता है। इसके साथ ही घटती विवाह दरों ने विदेशी दुल्हनों की मांग को बढ़ावा दिया है।

मशहूर नेपाली पर्वतारोही कामी रीता ने 31 बार किया माउंट एवरेस्ट फतह, अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के मशहूर पर्वतारोही कामी रीता ने मंगलवार को 31वीं बार माउंट एवरेस्ट को फतह किया। इस तरह उन्होंने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर सबसे ज्यादा बार चढ़ाई करने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस अभियान के आयोजक और सेवन समिट ट्रेक्स के अध्यक्ष मिंगमा शेरपा ने बताया कि कामी रीता (55 वर्षीय) ने सुबह करीब चार बजे मौसम सामान्य रहने पर 8,849 मीटर ऊंची चोटी के शिखर पर पहुंचे। वह इस बार भारतीय सेना की एडवेंचर विंग के एवरेस्ट अभियान की टीम का मार्गदर्शन कर रहे थे, जिसका नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल मनोज जोशी कर रहे थे। काठमांडू पोस्ट ने मिंगमा शेरपा के हवाले से कहा, यह नई उपलब्धि दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर सबसे ज्यादा बार चढ़ने वाले वाले व्यक्ति के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत करती है। यह एक ऐसा रिकॉर्ड है, जिसके आसपास भी अभी तक कोई नहीं पहुं पाया है। मिंगमा शेरपा ने आगे बताया कि चोटी पर पहुंचने के बाद कामी रीता सुरक्षित और स्थिर हैं। उन्होंने नीते उतरना शुरू कर दिया है और अब बेस कैंप की ओर लौट रहे हैं। हमेशा की तरह कामी ने अपने बेजोड़ कौशल और पेशेवर अनुभव को फिर से साबित किया है। हम उनकी इस महान उपलब्धि पर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं और जो विरासत वह बना रहे हैं, वह हमारे

लिए गौरव का विषय है।

पिछले दो वर्षों में कामी रीता ने हर मौसम में दो बार माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई की। इसके साथ ही उनकी सफल चढ़ाइयों की संख्या 30 हुई। सेवन समिट ट्रेक्स के अभियान निदेशक छांग दावा शेरपा ने बताया कि कामी रीता को कम उम्र से ही पर्वतारोहण का गहरा शौक था और वह बीते दो दशकों से अधिक समय से लगातार पहाड़ों पर चढ़ाई कर रहे हैं। शेरपा समुदाय का गढ़ सोलुकुंभी क्षेत्र में जन्मे कामी रीता ने 1992 में अपनी पर्वतारोहण यात्रा शुरू की थी। वे एक सहायक कर्मचारी के रूप में एवरेस्ट पर जाने वाले अभियान समूह में शामिल हुए। उन्होंने पहली बार 1994 में एवरेस्ट पर चढ़ाई की। तब से लगभग हर साल दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर लौटते रहे। कामी रीता के पिता पहले शेरपा पर्वत गाइडों में से एक थे। सेवन समिट ट्रेक्स के अभियान निदेशक छांग दावा शेरपा ने कहा कि कामी ने छोटी उम्र में ही चढ़ाई के लिए गहरा जुनून विकसित कर लिया था। अब दो दशकों से अधिक समय से चोटियों पर चढ़ रहे हैं।

डरने की जरूरत नहीं, जीत सरकार की होगी..., राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर दी हार्वर्ड की फंडिंग रोकने की धमकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को दावा किया कि उन्हें हार्वर्ड विश्वविद्यालय से टकराव में जीत मिली है। उन्होंने एक बार फिर दुनिया के इस शीर्ष विश्वविद्यालय को मिलने वाले अरबों डॉलर के अनुदान को रोकने की धमकी दी। स्मृति दिवस (मेमोरियल डे) पर अवकाश के दिन ट्रंप ने अपने संदेश में कहा, मैं बहुत यहूदी विरोधी (एंटीसेमिटिक) हार्वर्ड से तीन अरब डॉलर के अनुदान को वापस लेने और उसे देशभर के ट्रेड स्कूलों को देने पर विचार कर रहा हूं। स्मृति दिवस पर अमेरिका में राष्ट्रीय अवकाश होता है। इसे हर साल मई के आखिरी सोमवार को मनाया जाता है। इस दिन अमेरिकी सेना के उन जवानों को याद किया जाता है, जो देश की सेवा में अपनी जान गंवा चुके हैं। उन्होंने एक बार फिर हार्वर्ड से विदेशी छात्रों की संख्या कम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि वह हार्वर्ड से इन छात्रों की सूची मिलने का इंतजार कर रहे हैं। विदेशी छात्र अमेरिका के इस सबसे

पुराने विश्वविद्यालय की आय का एक अहम स्रोत हैं। ट्रंप ने कहा कि वह यह सूची इसलिए चाहते हैं, ताकि वह तय कर सकें कि अरबों डॉलर के फिजूल खर्च के कितने कट्टरपंथ और उपद्रवी लोग ऐसे हैं, जिन्हें अमेरिका में वापस नहीं आने देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, लेकिन डरने की जरूरत नहीं है, आखिर में जीत सरकार की ही होगी। ट्रंप प्रशासन ने पिछले हफ्ते हार्वर्ड को विदेशी छात्रों के दाखिले रोकने के लिए आदेश दिया था। लेकिन शुक्रवार को एक जज ने इस आदेश को इस सप्ताह की सुनवाई तक के लिए स्थगित कर दिया। अब तक 162 नोबेल पुरस्कार विजेता देने वाले हार्वर्ड विश्वविद्यालय से ट्रंप बहुत नाराज हैं, क्योंकि उसने अमेरिकी सरकार की दाखिला और भर्ती पर कड़ी निगरानी को मानने से इनकार कर दिया था। ट्रंप का दावा है कि यह विश्वविद्यालय यहूदी-विरोधी और सचेत उदारवादी (लिबरल) विचारधारा का गढ़ है। राष्ट्रपति ट्रंप उन अमेरिकी विश्वविद्यालयों और मीडिया जैसे अन्य संस्थाओं पर हमला कर रहे हैं, जिन्हें वह देश में वामपंथी विचारधारा की ओर झुकाव रखने वाले समझते हैं। ट्रंप ने हार्वर्ड को सरकार से मिलने वाले 9 अरब डॉलर के अनुदान की समीक्षा करने की धमकी दी है। उन्होंने पहले 2.2 अरब डॉल के अनुदान और 60 मिलियन डॉलर के सरकारी अनुबंध रोक दिए हैं। साथ ही वह हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के एक शोधकर्ता को भी देश से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं।

यूरोप के 70प्रतिशत किसान मौसमी आपदा बीमा सुरक्षा से वंचित, आपदाओं से हर साल फसल-पशुधन की होती है भारी क्षति

ब्रुसेल्स , एजेंसी। जलवायु परिवर्तन का खेती पर असर अब इतना स्पष्ट और गंभीर हो गया है कि इसने किसानों को संकट झेलने पर मजबूर कर दिया है। यह समस्या केवल विकासशील देशों तक सीमित नहीं रही, बल्कि अब विकसित राष्ट्रों में भी इसका व्यापक प्रभाव देखने को मिल रहा है। यूरोप जैसे समृद्ध महाद्वीप में भी सूखा, बाढ़ और ओलावृष्टि जैसी मौसमी आपदाओं से हर साल फसल और पशुधन को भारी क्षति होती है। दुर्भाग्यवश, इन आपदाओं से होने वाले कुल नुकसान का करीब 70 फीसदी हिस्सा किसानों को बिना किसी बीमा या मुआवजे के स्वयं ही वहन करना पड़ता है। यूरोपीय निवेश बैंक (ईआईबी) और यूरोपीय आयोग द्वारा तैयार की गई एक संयुक्त रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि यदि कृषि को जलवायु संबंधी खतरों से सुरक्षित बनाना है तो बीमा बेहद जरूरी है। रिपोर्ट के अनुसार यूरोप के कृषि क्षेत्र को हर वर्ष औसतन 28.3 अरब यूरो (करीब 2.55 लाख करोड़ रुपये) का नुकसान होता है, जो कुल उत्पादन का लगभग 6प्रतिशत है। यदि समय रहते उपाय नहीं किए गए, तो 2050 तक यह नुकसान मौजूदा 42प्रतिशत से बढ़कर 66प्रतिशत तक पहुंच सकता है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि जलवायु जनित कृषि नुकसान का केवल 20 से 30प्रतिशत हिस्सा ही बीमा के अंतर्गत आता है। कृषि क्षेत्र को जलवायु अनुकूल बनाना जरूरी रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि यूरोपीय संघ को 'कैटास्ट्रोफ बॉन्ड्स', सरकारी व निजी क्षेत्र

की बीमा साझेदारी और त्वरित राहत वितरण प्रणाली जैसे विकल्पों को अपनाना चाहिए, जिससे आपदा की स्थिति में तुरंत सहायता उपलब्ध कराई जा सके। साथ ही सिर्फ बीमा पर निर्भर न रहकर कृषि क्षेत्र को जलवायु अनुकूल बनाने की दिशा में भी कदम उठाने की आवश्यकता है। भारत में 30 फीसदी फसल क्षेत्र बीमा कवरेज दायरे में भारत में वर्ष 2016 से लागू प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत वर्तमान में लगभग 30प्रतिशत फसल क्षेत्र ही बीमा सुरक्षा के अंतर्गत आता है, जबकि इस योजना का लक्ष्य 2019 तक 50प्रतिशत कवरेज प्राप्त करना था। फिलहाल यह योजना 21 राज्यों में संचालित है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अनुसार, हालांकि यह योजना स्वैच्छिक है।

बस एक मजाक था, मैक्रों ने तोड़ी चुप्पी; विमान में पत्नी द्वारा धक्का दिए जाने का वीडियो हुआ था वायरल

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पत्नी ब्रिजिट मैक्रों के साथ विवाद की अटकलों को खारिज कर दिया है। दरअसल, बीते दिन एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें मैक्रों दंपती वियतनाम पहुंचे थे। वीडियो में विमान से उतरने से पहले ब्रिजिट मैक्रों को राष्ट्रपति के चेहरे को दोनों हाथों से पीछे की तरफ धकेलते हुए दिखाया गया था। वियतनाम मैक्रों के दक्षिण पूर्व एशिया के दौरे का पहला पड़ाव है। यहां वे फ्रांस को अमेरिका और चीन की जगह एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में पेश करेंगे। यह लगभग एक दशक में किसी फ्रांसीसी राष्ट्रपति का पहला दौरा है। मैक्रों इंडोनेशिया और सिंगापुर का भी दौरा करेंगे।

मामले को बेवजह में तूल दिए जाने की बात कही : घटना के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मैक्रों ने मामले को बेवजह में तूल दिए जाने की बात कही। उन्होंने कहा, मैं और मेरी पत्नी झगड़ रहे थे। हलांकि, यह बहस कम मजाक ज्यादा था। हम बस मजाक कर रहे थे। मैं आश्चर्यचकित था। फ्रांसीसी नेता ने 2007 में ब्रिगिट से शादी की थी। उनकी मुलाकात हाई स्कूल में हुई थी। ब्रिगिट वहां पढ़ाती थीं। उन्होंने कहा, मामला अब एक तरह की आपदा बन गई है। कुछ लोग तो सिद्धांतों की बातें भी कर रहे हैं।

गलत सूचना फैलाने वालों को जिम्मेदार ठहराया : मैक्रों ने वीडियो को लेकर हो रहे हंगामे को गलत सूचना फैलाने वालों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों का मकसद उस हल्के-फुल्के पल को खराब कराना था। राई का पहाड़ बना देना था। उन्होंने चिंता जताई कि हाल के हफ्तों में यह पहली बार नहीं था। उनके वीडियोज़ को पहले भी तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया है। उन्होंने ऐसे लोगों को पागल

कहा था। रूसियों और फ्रांस में चरमपंथियों को घेरा फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा, वीडियो में मैंने एक टिशू लिया, किसी से हाथ मिलाया और अपनी पत्नी के साथ मजाक किया। ऐसा हम अक्सर करते हैं। इससे ज्यादा कुछ नहीं। उन्होंने ऐसे नेटवर्क को दोषी ठहराया, जिसका पता लगाना काफी आसान है। उनका इशारा रूसियों और फ्रांस में चरमपंथियों की ओर था। वायरल वीडियो में क्या? यह वीडियो रविवार शाम का है, जब राष्ट्रपति मैक्रों वियतनाम के हनोई शहर पहुंचे। वीडियो में देखा जा सकता है कि विमान का दरवाजा खुलते ही एक यूनिफॉर्म में अधिकारी दरवाजा खोलता है। तभी एक महिला के हाथ (लाल जैकेट में) अचानक सामने आते हैं और राष्ट्रपति मैक्रों के चेहरे को दोनों हाथों से हल्का धक्का देते हैं - एक हाथ उनके मुंह और नाक पर होता है, दूसरा उनके जबड़े पर। इस अप्रत्याशित हरकत से मैक्रों थोड़े चौंक जाते हैं और पीछे हटते हैं, लेकिन फिर जल्दी से मुस्कुरा कर कैमरे की ओर हाथ हिलाते हैं। इसके बाद दोनों पति-पत्नी सीढ़ियों से नीचे आते हैं, हालांकि ब्रिजिट इमैनुएल मैक्रों की तरफ से आगे बढ़ाए गए हाथ को पकड़ने से इनकार करती देखी जा सकती हैं। जब यह मामला सुर्खियों में आया, तो फ्रांस के राष्ट्रपति भवन (एलीसी पैलेस) ने सफाई दी। उन्होंने इसे कोई विवाद नहीं बल्कि एक निजी, मजाकिया पल बताया।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोपेड रोका तो 200 करोड़ का अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड खुला

सूरत में 100 से अधिक बैंक अकाउंट खोले,6 महीनों में 8.54 करोड़ की कमाई क्यूबा से कमांड और कमीशन का खेल- ED-DRI की एंट्री

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत पुलिस ने एक मोपेड रोका और 200 करोड़ के अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड का खुलासा किया। पिछले 9 महीनों से कमीशन का लालच देकर डॉक्यूमेंट इकट्ठा कर सूरत में 100 से अधिक फर्जी बैंक अकाउंट खोले गए थे। यह खेल यहीं नहीं रुका, केवल 6 महीनों के कम समय में ही 8.54 करोड़ की कमाई की गई। अब तक की जांच में पता चला है कि क्यूबा से कमांड मिलती थी और कमीशन के खेल को अंजाम दिया जाता था। रैकेट इतना बड़ा था कि इस मामले में ED (इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट) और DRI (डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस) भी शामिल हो गए हैं।

उधना पुलिस ने अब तक की गई कार्रवाई के तहत सभी लेनदेन के आधार पर मनी ट्रेल पकड़ने के लिए विभिन्न एजेंसियों से भी संपर्क किया है। ED (एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट) और DRI (डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस) की मदद से इस रैकेट में और भी आरोपियों तक पहुंचने के प्रयास जारी हैं।

उधना पुलिस सड़क पर वाहन जांच कर रही थी तभी रोहन नाम के शख्स के साथ रोका गया। डिक्की जांचने पर उसमें संदिग्ध दस्तावेज़ और सिक्के मिले। पूछताछ में रोहन ने कबूल किया कि सरथाणा के मित खोखर यह सामग्री पांडेसरा में किसी को देने के लिए भेज रहा था। पुलिस ने तुरंत मित खोखर को गिरफ्तार किया और पूछताछ में पता चला कि उसने गोपीनाथनगर के किरात विनोद जादवाणी के साथ मिलकर कई लोगों से कमीशन के लालच में दस्तावेज़ जुटाए थे और उनके आधार पर चालू खाता खोलवाए थे।

मित की ऑफिस की जांच में कई गैरकानूनी दस्तावेज़ मिले, जो किरात जादवाणी तक पहुंचते थे। उसकी ऑफिस से 5 लैपटॉप, 3.50 लाख रुपए नकद, 35 पासबुक, एटीएम कार्ड और पैसे गिनने की मशीन बरामद हुई।

ये दोनों आरोपी देश में बेधड़क साइबर फ्रॉड चला रहे थे। अब तक करीब 100 बैंक अकाउंट्स से लगभग 200 करोड़ का रैकेट चलाया जा रहा था। आरोपी दिव्येश के साथ मिलकर ये दोनों साइबर फ्रॉड की घटनाएं अंजाम दे रहे थे, हालांकि दिव्येश अभी पुलिस की पकड़ से बाहर है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि देश में साइबर फ्रॉड के लिए जो 100 बैंक अकाउंट इस्तेमाल किए जा रहे थे, उन्हें ये तीनों ऑपरेट कर रहे थे। इसके लिए उन्हें क्यूबा से 'रिच पे ' नाम के टेलीग्राम अकाउंट से कमांड मिलती थी। सभी बैंक अकाउंट चालू खाते (करेंट अकाउंट) थे और वे कमीशन लेकर इन अकाउंट्स पर साइबर फ्रॉड के पैसों का ट्रांजेक्शन करते थे।

यह आरोपी सीधे क्यूबा से जुड़े हुए हैं। उन्हें सभी कमांड और कंट्रोल टेलीग्राम अकाउंट "रिच पे" के माध्यम से मिलते थे। आरोपी पहले दिल्ली के विनीत प्रसाद नाम के शख्स के साथ काम कर रहे थे, जिसका क्रिप्टोकरेंसी का कारोबार था। बाद में आरोपी सीधे "रिच पे" के संपर्क में आ गए। ये आरोपी आठ महीने से 'रिच पे' के संपर्क में थे और साइबर फ्रॉड के लिए एक-दूसरे को कमांड देते थे।

आरोपियों ने अपने नेटवर्क के माध्यम से मात्र छह महीने में 10 लाख SDT (अमेरिकी डॉलर से जुड़ी क्रिप्टोकरेंसी) यानी करीब 8.54 करोड़ रुपये की कमाई की थी। उन्होंने सूरत के 100 से ज्यादा बैंक खातों का इस्तेमाल किया, जिनमें से 35 खातों में देश के विभिन्न राज्यों से साइबर फ्रॉड की शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। एक चौंकाने वाली जानकारी के अनुसार, सिर्फ एक बैंक अकाउंट में तीन दिनों में 42 करोड़ रुपये के ट्रांजेक्शन हुए थे।

आरोपियों ने फेक प्रोफाइल तैयार की, उसके बाद फेक त्तस्ज्ञ नंबर प्राप्त किया और उसके आधार पर फेक टेक्सटाइल कंपनियों के नाम पर करंट अकाउंट खोलवाए थे। इन खातों से करोड़ों रुपये के ट्रांजेक्शन किए गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, कुछ अकाउंट चीन की बैंकों से भी जुड़े हो सकते हैं, जिस आधार पर उधना पुलिस अब अंतरराष्ट्रीय कनेक्शनों की जांच शुरू कर रही है।

जब भी देश में कोई साइबर फ्रॉड होता है, तो वह पैसा एक या दो मुख्य खातों में जमा होता है और वहां से तुरंत ही कई अन्य खातों में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इस पैसे की सारी जानकारी क्यूबा को भेजी जाती थी और इसका उपयोग च्चेजर एक्सज्ज नामक एप्लिकेशन के माध्यम से किया जाता था।

आरोपियों को कमीशन रूप में नकद नहीं, बल्कि क्रिप्टोकरेंसी USDT (Tether) में दिया जाता था। हर ट्रांजैक्शन के बाद नेटवर्क के सदस्यों को SDT में कमीशन ट्रांसफर किया जाता था, ताकि वे किसी भी देश की मौद्रिक प्रणाली की पकड़ से बच सकें।

इस बारे में डीसीपी भागीरथ गढ़वी ने बताया कि अब तक पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, लेकिन मुख्य सरगना दिव्येश अभी पुलिस की पकड़ से दूर है। पुलिस ने कुछ महत्वपूर्ण तकनीकी फॉरेंसिक डेटा के आधार पर और आरोपियों तक पहुंचने की तैयारी कर ली है। लैपटॉप से प्राप्त डेटा में 100 से अधिक बैंक खातों का खुलासा हुआ है।

200 करोड़ का देशव्यापी साइबर फ्रॉड, 100 बैंक खातों में से 35 पर शिकायतें,सभी खाते सुरत के हैं।

उधना पुलिस ने वाहन जांच के दौरान दो लोगों को पकड़कर साइबर क्राइम की ऑनलाइन ठगी का एक देशव्यापी बड़ा रैकेट पकड़ा है। इस रैकेट के मास्टरमाइंड सुरत के दो शख्स हैं, जिनका संपर्क विदेश में क्यूबा से जुड़ा हुआ है। दोनों सूत्रधारों ने पिछले 6 महीनों में लगभग 200 करोड़ रुपये के लेन-देन 100 बैंक खातों के माध्यम से किए हैं, जो पुलिस के लिए चौंकाने वाली जानकारी है।

दोनों साझेदारी में यह रैकेट चला रहे हैं। फिलहाल, दिव्येश फरार है। पुलिस उसे पकड़ने उसके घर भी गई, लेकिन वह नहीं मिला और उसका मोबाइल भी बंद है। लैपटॉप से प्राप्त डेटा के आधार पर पता चला है कि 100 चालू बैंक खाते हैं, जो सभी सुरत की बैंकों के हैं। इस गिरोह के 100 बैंक खातों में से 35 खातों पर साइबर क्राइम की देशव्यापी शिकायतें भी दर्ज हैं।

दोनों सूत्रधारों को क्यूबा में बैठे मास्टरमाइंड वॉलेट-टू-वॉलेट ट्रांजैक्शन के जरिए 2% कमीशन पर USDT (क्रिप्टोकरेंसी) भेजते थे। इसके बाद किरात और दिव्येश भारत में किसी अन्य को USDT बेचकर उसे नकद में बदल देते थे। इन दोनों सूत्रधारों ने बीते 6 महीनों में ऑनलाइन ठगी के जरिए 10 लाख USDT कमाए हैं।

करंट अकाउंट धारकों को एक खाते के बदले 8 लाख तक की रकम दी जाती थी। इससे लालच में आकर लोग किराये की दुकान दिखाकर व्यापार के बहाने त्तस्ज्ञ नंबर लेते और करंट अकाउंट खोलकर सारी जानकारी इस गिरोह को दे देते थे। इसके बाद इन खातों को ऑपरेट करने का पूरा काम यही गैंग संभालती थी।

पुलिस को मिले बैंक खातों में से एक खाते में केवल 3 दिनों में 42 करोड़ रुपये के ट्रांजैक्शन हुए थे। वहीं एक अन्य खाते में 26 करोड़ और एक में 19 करोड़ रुपये के ट्रांजैक्शन सामने आए हैं।

क्यूबा में बैठे लोग रेज़र एक्स (Razor X) नाम की एप्लिकेशन के जरिए भारत के करंट बैंक खातों की पूरी जानकारी भेजते थे। इस एप में यूज़र आईडी और पासवर्ड का उपयोग कर इंटरनेशनल लेवल पर ट्रांजैक्शन किए जाते थे।

किरात ने दिल्ली के विनीत प्रसाद से संपर्क किया था। तीन महीनों तक किरात और दिव्येश दिल्ली में रहकर विनीत को करंट बैंक खातों की जानकारी भेजते रहे। इसके बाद दोनों सीधे क्यूबा देश में बैंक खातों की डिटेल्स भेजने लगे।

फर्जी मालिक खड़े कर

सचिन के 4 फ्लैट बेचने का घोटाला अस्पताल मालिक समेत तीन गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

फ्लैट बेचने की साजिश रचने वाले:
प्रदीप साहू - नूपुर अस्पताल
संतोष पाणिग्रही - बढ़ई (फर्नीचर) का काम
जीशान खान - जमीन दलाल

बहुमंजिला सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में 44 लाख रुपये के 4 फ्लैटों की बिक्री के दस्तावेज कराने आए दो गवाहों से स्टाफ ने यह पूछताछ की कि क्या वे संपत्ति बेचने वाले को पहचानते हैं। दोनों ने कहा कि वे खरीदार को जानते हैं, लेकिन विक्रेता को नहीं पहचानते। यह सुनकर स्टाफ को शक हुआ। उन्होंने तुरंत ही संपत्ति विक्रेता से पूछताछ की, जिसमें उसके फोन में आधार कार्ड देखने पर फर्जी दस्तावेज तैयार करने की साजिश का पर्दाफाश हो गया।

सब-रजिस्ट्रार कार्यालय की कर्मचारी अंजनाबेन मुंगलसरा ने अठवालाइंस पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके आधार पर पुलिस ने जीशान मोहम्मद रफीक खान (निवासी साईनाथ अपार्टमेंट, सचिन), संतोष दामोदर पाणिग्रही (निवासी ओमसाई पार्क, सचिन) और प्रदीप काशीनाथ साहू (निवासी नूपुर हॉस्पिटल, नानपुरा) के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। संतोष के गांव के सुधीर लिंगराज गौड़ा ने सचिन स्थित साईपार्क बिल्डिंग में 4 फ्लैट खरीदे थे, लेकिन कई वर्षों से उनका कोई पता नहीं है।

राजकोट में महिला डॉक्टर द्वारा की गई आत्महत्या का राज़ सुलझ गया, 'वानर गेंग' के चार सदस्य गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राजकोट की बालाजी मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल में एक महिला डॉक्टर ने दवा का ओवरडोज लेकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। इस मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस ने इस पूरे मामले में च्वानर गैंगज्ज के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जबकि फरार तीन महिलाओं की तलाश जारी है। जांच में पता चला है कि डॉक्टर दंपति सस्ते सोने के गहनों के लालच में ठगे गए थे।

राजकोट के रोंकी 80 फुट रोड पर आस्था सांगरिला में रहने वाले और घर के पास क्लिनिक चलाने वाले डॉ. धवल प्रवीनभाई मोलिया (उम्र 28) और ऋष्ट चौक में बालाजी अस्पताल में कार्यरत उनकी पत्नी डॉ. एंजल ने 19 तारीख को सस्ते सोने के गहनों के लालच में 5 लाख रुपये गंवा दिए थे। इस घटना के दो दिन बाद डॉ. एंजल ने जहां काम करती थीं, उसी अस्पताल में एनेस्थीसिया का ओवरडोज ले लिया, जिससे 24 तारीख को उनका निधन हो गया।

इस गंभीर और चौंकाने वाली घटना के बाद गांधीग्राम पुलिस ने डॉक्टर दंपती के साथ ठगी करने वाली महिलाओं समेत एक गिरोह के खिलाफ शिकायत दर्ज की। इसके बाद पुलिस ने इस गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया।

ए डिविजन पुलिस ने दुर्घटना से मौत का मामला दर्ज कर जांच की थी। जांच कर रहे PSI वडनगर ने बताया कि परिवार वालों ने कहा है कि डॉ. एंजल ठगी का शिकार होने के कारण इस कदम पर मजबूर हुई थीं। इसके अलावा परिवार ने बताया कि उनके और उनके पति की कमाई धीरे-धीरे कम हो रही थी, जिससे वे मानसिक रूप से परेशान हो गए थे, जिसके कारण अंतत: उन्होंने यह अंतिम कदम उठा लिया।

गुजरात की गांधीग्राम पुलिस में कल रात डॉ. धवल ने सस्ते सोने के गहनों के नाम पर उनके साथ 5 लाख रुपये की ठगी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि दिनांक 15 को रामेश नाम का एक मरीज उनके पास आया था, जिसने बुखार और कमर दर्द की शिकायत की। इलाज के दौरान उस व्यक्ति ने एक चांदी का सिक्का दिखाते हुए कहा, च्च्हम गोण्डल चौकड़ी के पास साइट पर रहते हैं, खुदाई के दौरान हमें यह चांदी का सिक्का और अन्य सोने के गहने मिले हैं। यदि आप सोने के गहने देखना चाहती हैं तो आकर देख लीजिए ज्ज

पहले असली सोना दिया, फिर नकली पहनाया

दूसरे दिन सुबह फोन करके वे सिविल अस्पताल गए जहां रामेश नाम का मरीज, एक महिला और एक शख्स पीली धातु के गहने दिखा रहे थे, जिनका वजन करीब एक किलो बताया गया। उन्होंने सोने के व्यापारी को गहने दिखाने की इच्छा जताई और उसे एक कटा दिया। जांच में पता चला कि यह 18 कैरेट का सोना है। इसके बाद घर जाकर पति ने यह बात अपनी पत्नी डॉ. एंजल को बताई और गहने खरीदने का फैसला किया।

दिनांक 17 को रामेश नाम के मरीज को फोन कर 1 लाख रुपये में गहने मांगे, बाद में सौदा बढ़ाकर 5 लाख रुपये किया गया। तय मुताबिक 19 तारीख की सुबह वे पत्नी डॉ. एंजल के साथ 5 लाख रुपये लेकर मोटरसाइकिल से चोटीला पहुंचे। हाईवे पर रामेश, पहले से मौजूद एक शख्स और महिला से मिले और 5 लाख रुपये देकर सोने के गहने लिए। लेकिन राजकोट पहुंचकर गहनों की जांच में पता चला कि वे नकली थे। इसके बाद रामेश को फोन किया गया लेकिन उसका मोबाइल बंद था। ठगी का एहसास होने पर शिकायत दर्ज कराई गई।

डॉ. एंजल की आत्महत्या का कारण बनी गैंग के चार सदस्य गिरफ्तार हुए हैं-

1. ईश्वर उर्फ पाटियो वीरभाई वाघेला (उम्र 30, सरखेड़, अहमदाबाद)
2. अर्जुन पन्नाभाई सोलंकी (उम्र 38, मालियासन गाँव)
3. मोहन उर्फ मन्यो भगवानभाई परमार (उम्र 25, मालियासन गाँव)
4. हीरा रामाभाई राठोड (उम्र 25, मालियासन चौकड़ी)

एलसीबी ज़ोन-2 की टीम ने इन्हें गिरफ्तार किया और नकद 2.15 लाख, दो मोबाइल फोन और एक रिक्शा जब्त किया, जिसकी कुल कीमत 2.85 लाख है।

पुलिस ने हिराबेन कस्तूरभाई मारवाड़ी (सरदारनगर, अहमदाबाद), कानुभाई रामाभाई राठोड (मालियासन चौकड़ी) और पन्नीबेन अर्जुनभाई सोलंकी (मालियासन गाँव) के नाम भी पता लगाए हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

'वांदरी गैंग' का गिरफ्तार हुआ सरगना, ईश्वर वाघेला, जो अहमदाबाद के सरखेज में रहता है, साल 2017 में हत्या के मामले में पकड़ा गया था। इतना ही नहीं, वह पैरोल पर रिहा होकर साल 2021 से फरार था।

9.50 लाख की रकम अंगड़िया के जरिए मंगवाकर ठगी करने वाले सदस्य 5 महीने बाद भुज से पकड़े

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सरथाणा इलाके में कपड़ा व्यापारी के साथ ऑनलाइन सस्ते में सोना खरीदने के झांसे में 9.50 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। लगभग 6 ठगों ने फेसबुक पर पेज बनाकर लोगों को ठगने का जाल बिछाया था। कपड़ा व्यापारी इस ठगी का शिकार बना। ठगों ने भुगतान अंगड़िया के माध्यम से मंगवाया था। यह मामला पांच महीने पहले दर्ज किया गया था। अब, उत्राण पुलिस को पांच महीने बाद इस ठग गिरोह के दो आरोपियों को भुज से पकड़ने में सफलता मिली है।

मिली जानकारी के अनुसार, सरथाणा योगी चौक सहजानंद हाइट्स में रहने वाले और ऑनलाइन कपड़े का व्यापार करने वाले 25 वर्षीय धवल जयसुख वसोया ने 23 सितंबर 2024 को फेसबुक पर "24 कैरेट गोल्ड" नामक पेज खोला था। इसमें 100 ग्राम सोने का भाव 4.99 लाख रुपये दिखाया गया था, जो बाजार की कीमत से कम था। इसी कारण व्यापारी ने व्हाट्सएप कॉल कर संपर्क किया था। सामने वाले ने अपना नाम राजू बताया और कहा कि वह मांडवी, गुजरात से बोल रहा है। इसके बाद उन्होंने व्यापारी को कम से कम 200 ग्राम 9.50 लाख रुपये में खरीदना होगा, जिसमें टोकन के रूप में पहले 20 हजार रुपये देने होंगे।

सोना लेकर आदमी देने के लिए आएगा तब बाकी का भुगतान करना होगा, उसके बाद व्यापारी को सोने का ऑर्डर कन्फर्म करने और टोकन की राशि भेजने के लिए कहा गया। इतना ही नहीं, ठग गिरोह ने वीडियो कॉल भी की और व्यापारी को सोने के बिस्किट दिखाए साथ में त्तक्र कोड भी भेजा। इसके बाद इस्माइल शेख के खाते में 20 हजार रुपये ट्रांसफर किए गए। फिर व्यापारी को प्रतीक पटेल का व्हाट्सएप कॉल आया।

सामने वाले ने कहा कि मैं प्रतीकभाई बोल रहा हूँ। सर से बात करके मैं आपको सोना डिलीवर करवा दूंगा, आपके व्हाट्सएप पर नंबर भेज रहा हूँ। उस नंबर पर बात कर लेना। इसके बाद व्यापारी ने उस व्यक्ति से बात की, जिसने कहा कि मेरा काम सिंडिकेट से जुड़ा है। मैं सीधे सोना नहीं दूंगा, मेरी चेन के अनुसार मेरे लोग मिलेंगे। ऐसी बातें कहकर रिंग रोड से भुगतान अंगड़िया के माध्यम से मंगवाया गया।

भुगतान के दूसरे दिन रविवार था, इसलिए डिलीवरी नहीं हो पाएगी, ऐसा कहकर सामने वाले ने दूसरी बार बात की और कहा कि वह गोवा में रहता है। उसने व्यापारी से 1 किलो सोना लेने की बात कही, जिसे व्यापारी ने मना कर दिया और पैसे वापस मांगते हुए वादे किए। अंत में, ठगे गए व्यापारी को उत्राण पुलिस में शिकायत करनी पड़ी। पिछले दिसंबर महीने में पुलिस ने राजू इस्माइल शेख, राजू मांडवी, खान सर, नवाब और विजय के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

उत्राण पुलिस को सूचना मिलने पर भुज में स्थानीय सूचनाकर्ताओं की मदद से दो आरोपियों अमन इब्राहीम रायमा (उम्र 23, व्यवसाय ड्राइवर, निवासी रहिमनगर झुग्गीपट्टी, संजोगनगर के सामने, उस्मानिया मस्जिद के पास, खरिनदी रोड, भुज, जिला कच्छ) और नवाब हुसैन सोढ़ा (उम्र 23, व्यवसाय सफाई कर्मचारी, निवासी रहिमनगर झुग्गीपट्टी, संजोगनगर के सामने, उस्मानिया मस्जिद के पास, खरिनदी रोड, भुज, जिला कच्छ) को गिरफ्तार किया गया।

आरोपियों का तरीका यह था कि उन्होंने फेसबुक पर नकली पेज बनाकर सस्ते दामों पर सोना देने का झांसा देकर नकली अधिकारी बनकर लोगों का भरोसा जीता। इसके बाद वे अंगड़िया प्रणाली और नकली बैंक खातों के जरिए ऑनलाइन पैसे लेकर धोखाधड़ी करते थे।